सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जौ का पानी पीने के ये पांच फायद पेज: 7

नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 83 | गुरुवार 25 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

उत्तराखंड के बाद महाराष्ट्र में यूसीसी की तैयारी तेज, सीएम फडणवीस बनाएंगे कमेटी

मुंबई एजेंसी: मंगलवार को महायुति सरकार ने संकेत दिया कि महाराष्ट्र 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (यूसीसी) लागू करने की दिशा में आगे बढ़ने वाला अगला राज्य हो सकता है। सरकार ने इस कानून के लिए एक ड्राफ्ट फ्रेमवर्क तैयार करने के मकसद से एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने की योजना की घोषणा की है। विधानसभा में एक चर्चा का जवाब देते हुए, गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ड्राफ्ट तैयार करने के लिए हाई कोर्ट के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। कदम ने जोर देकर कहा कि सरकार राज्य में 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' (समान नागरिक संहिता) लाने को लेकर "100 प्रतिशत सकारात्मक" है।

देश में ड्रग्स के खिलाफ अमित शाह का महा-अभियान, एनकॉर्ड बैठक में जारी होगा 'विजन डॉक्यूमेंट'

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 26 जून को नारको-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे और नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के लिए "विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029" जारी करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित इस बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख अधिकारी, साथ ही राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि हाइब्रिड मोड में शामिल होंगे। यह बैठक देश में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए सभी संबंधित पक्षों द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों की व्यापक समीक्षा और मूल्यांकन के लिए एक मंच प्रदान करेगी। इस चर्चा से भाग लेने वाले राज्यों, विभागों और एजेंसियों को

प्रभावी नशीले पदार्थों के नियंत्रण के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में नए जोश और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। देश में ड्रग्स की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सरकार के सभी विभागों के मिलकर काम करने की जरूरत पर जोर देते हुए, यह उच्च-स्तरीय बैठक अगले तीन वर्षों में पूरे देश में ड्रग तस्करी और ड्रग्स के दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करेगी। इस बैठक से देश में ड्रग तस्करी के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' (सख्त नीति) को और मजबूती मिलने की उम्मीद है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर दिया है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री

साथ ही राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने........

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित इस बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख अधिकारी, साथ ही राज्य सरकारों और ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि हाइब्रिड मोड में शामिल होंगे।

नारकोटिक्स कंट्रोल (2026-2029) पर विजन डॉक्यूमेंट जारी करेंगे। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "केंद्रीय सरकार के संबंधित विभागों, ड्रग कानून लागू करने वाली एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक बातचीत के बाद तैयार किया गया यह विजन डॉक्यूमेंट, ड्रग की समस्या से निपटने के लिए मांग कम करने, आपूर्ति कम करने और नुकसान कम करने के पहलुओं पर एक साझा रोडमैप प्रदान करेगा। हेक्टेयर ने कहा, "इस रोडमैप में नेटवर्क-आधारित प्रवर्तन दृष्टिकोण की परिकल्पना की गई है। इसमें सिंथेटिक ड्रग्स, डार्कनेट के जरिए तस्करी की चुनौतियों से निपटने, युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने, ड्रग यूजर्स के लिए इलाज और पुनर्वास केंद्रों की पहुंच बढ़ाने जैसे उपायों के साथ-साथ अगले तीन वर्षों में समन्वित और निरंतर तरीके से उठाए जाने वाले कदम भी शामिल हैं। मंत्रालय ने आगे कहा कि यह दस्तावेज सभी हितधारकों के लिए ज़िम्मेदारियों, समय-सीमा और मापने योग्य लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, साथ ही प्रवर्तन, मांग में कमी, पुनर्वास, जन जागरूकता, क्षमता निर्माण और अंतर-एजेंसी समन्वय को एकीकृत करता है।

यह विजन डॉक्यूमेंट देश भर में ड्रग्स की समस्या को रोकने के लिए नीति निर्माण, कार्यान्वयन और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए एक मार्गदर्शक ढांचे के रूप में काम करेगा। शाह एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट-2025 भी जारी करेंगे और जम्मू और गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी जोनल कार्यालयों का उद्घाटन करेंगे।

सांसदों की बगावत पर शिवसेना यूबीटी की स्पीकर ओम बिरला से गुहार, आदित्य बोले- न्याय की उम्मीद है

मुंबई एजेंसी: शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उन्हें "न्याय की उम्मीद" है। यह बयान तब आया जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने पार्टी की लोकसभा यूनिट में बंटवारे के बाद चल रही राजनीतिक हलचल के बीच शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों की बैठक बुलाई। यह बैठक शाम 5 बजे होनी है। यह बैठक लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) में हुए बंटवारे के बाद बुलाई गई है, जिसमें छह सांसद औपचारिक रूप से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। इस घटनाक्रम को "ऑपरेशन टाइगर" का नाम दिया गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत और अनिल देसाई स्पीकर से मिलकर अपना पक्ष रखने वाले हैं।

वे यह भी मांग करेंगे कि सांसदों के बागी गुट को मान्यता न दी जाए। इससे पहले, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बागी सांसदों पर अपना हमला तेज कर दिया था। पार्टी में फूट के बाद उन्होंने "महाराष्ट्र के गद्दारों के खिलाफ लड़ाई" का आह्वान किया, जिससे पार्टी के अंदर राजनीतिक तनाव और बढ़ गया। स्पीकर का यह दखल ऐसे समय में आया है जब शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों - संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकर - की स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ये सभी सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। इस बीच, आदित्य ठाकरे ने मुंबई में भारी मॉनसून बारिश के दौरान नागरिक मुद्दों को संभालने के तरीके को लेकर बीजेपी पर भी निशाना साधा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बीजेपी पर नागरिकों के बजाय "ठेकेदारों और बिल्डरों" पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया और शहर में जलभराव की समस्या पर प्रशासन की प्रतिक्रिया की आलोचना की। उन्होंने मुंबई की मेयर रितु तावड़े द्वारा पानी भरे इलाकों के हालिया निरीक्षण का भी ज़िक्र किया और आरोप लगाया कि उन्हें मुंबई से ज्यादा ढाका की चिंता है। उन्होंने कहा, बीजेपी को सिर्फ. कॉन्ट्रैक्टरों और बिल्डरों की चिंता है, बारिश के दौरान आम नागरिकों की नहीं। मुंबई की मेयर रितु तावड़े को मुंबई से ज्यादा ढाका की चिंता है। उन्होंने एएनआई से कहा कि आपने देखा होगा कि आज पहली ही बारिश में मुंबई में पानी भर गया। बीजेपी ने सिर्फ.एक काम किया है

पीके का भोजपुर मुठभेड़ पर बड़ा बयान, बोले- पुलिस ने की हत्या, न्यायिक जांच हो

बिहार: जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को भोजपुर ज़िले में 17 जून को हुए कथित पुलिस एनकाउंटर में मारे गए 28 वर्षीय युवक भरत भूषण तिवारी के परिवार वालों से मुलाकात की और मामले की न्यायिक जाँच की माँग की। पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि इस हत्या को अंजाम देने वालों और इसके लिए आदेश देने वालों, दोनों की न्यायिक जाँच होनी चाहिए। हमारी माँग है कि जाँच में शामिल सभी लोगों की भूमिका की पड़ताल हो। भरत भूषण तिवारी के कथित पुलिस एनकाउंटर के मामले में 'भरत तिवारी संघर्ष समिति' ने बुधवार को एक महापंचायत की और चेतावनी दी कि अगर उनकी माँगें पूरी नहीं हुईं तो वे

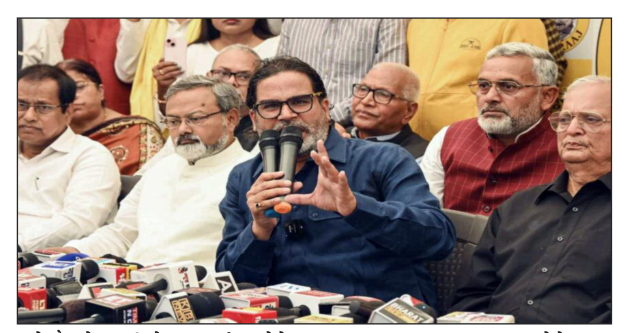

बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। यहाँ एएनआई से बात करते हुए, 'भारत तिवारी संघर्ष समिति' के एक सदस्य ने कहा कि प्रस्तावित सभा में लगभग एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है और आंदोलन के और तेज होने की संभावना है। सदस्य ने कहा कि इस कार्यक्रम में लगभग 1 लाख लोग शामिल होंगे... अगर महापंचायत शुरू होने तक गिरफ्तारियां नहीं हुईं, तो हम बिहार में विधानसभा का घेराव करेंगे और पूरे देश में चक्का जाम करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मामले में आरोपी लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन और तेज हो सकता है, जिसमें राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन और सड़कें जाम करना शामिल हो सकता है। कांग्रेस के पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी ने भी स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि महापंचायत में लोगों की भागीदारी स्वैच्छिक और बड़े पैमाने पर होगी। उन्होंने बताया कि हर कोई अपनी मजी से शामिल हो रहा है, किसी को खास तौर पर नहीं बुलाया गया है। इसलिए लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। आरोपी को गिरफ़्तार किया जाना चाहिए... हमारी मांग है कि पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए और भरत तिवारी को शहीद का दर्जा मिले... यहां सभी का स्वागत है। वहीं, मृतक के भाई चंदन तिवारी ने कहा कि अंतिम संस्कार के बाद वे इस आंदोलन को देश की राजधानी ले जाने की योजना बना रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश में बादल फटने से जलप्रलय ! फ्लैश फ्लड में 5 लोग लापता, 50 घर हुए तबाह

अरुणाचल एजेंसी: अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी और केयी पैन्योर ज़िलों में लगातार भारी बारिश से अचानक बाढ़ आ गई है, जिससे कई गाँव डूब गए हैं, घरों और खेती की जमीन को नुकसान पहुँचा है और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर असर पड़ा है। राज्य में पिछले कुछ दिनों से जोरदार बारिश हो रही है, जिसके कारण कई ज़िलों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति बनी है और सड़कों, पुलों व अन्य सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचा है। याजली सर्कल के पूसा में नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी के पास अचानक आई बाढ़ के बाद पांच लोगों के लापता होने की खबर है। याचुली निर्वाचन क्षेत्र के विधायक टोको टटुंग के अनुसार, अधिकारी प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और खोज व बचाव अभियान जारी है। टटुंग ने कहा कि आज सुबह करीब 6 बजे हमारे जिले, केयी पैन्योर में बादल फटने की घटना हुई। इसके कारण कई जलधाराएं उफान पर आ गईं

और भारी बाढ़ आ गई। अचानक आई इस बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है, खासकर नीपको कॉलोनी में। अभी तक किसी की जान जाने की कोई पक्की जानकारी नहीं है, लेकिन पांच लोग लापता हैं और खोज अभियान चल रहा है। इलाके में एक पुल भी बह गया है। कुल मिलाकर, कम से कम 50 घर नष्ट हो गए हैं। ईटानगर के क्षेत्रीय मौसम केंद्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के निचले सुबनसिरी ज़िले के यजाली स्टेशन पर मंगलवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों के दौरान लगभग 72.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसमें से ज्यादातर बारिश बुधवार सुबह 6 बजे से 9 बजे के बीच हुई। सैटेलाइट और रडार की तस्वीरों से पता चलता है कि सुबह 6 बजे से 7.30 बजे के बीच जबरदस्त बारिश हुई, जिसके कारण अचानक बाढ़ आ गई और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों (ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र) में नदियों के बहाव में काफी बढ़ोतरी हुई। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों और नदी के किनारों पर रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और बिना जरूरत यात्रा न करने की अपील की है।

पीएम मोदी के आह्वान पर दोनों केन्द्रीय मंत्री एक ही कार से कैबिनेट बैठक में पहुंचे

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सवार्नंद सोनोवाल बुधवार को नई दिल्ली में कार पूलिंग कर एक ही वाहन से कैबिनेट बैठक में पहुंचे। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सवार्नंद सोनोवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल की बचत और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग के आह्वान के तहत एक जिम्मेदार संदेश दिया। ईंधन बचत का संदेश कैबिनेट बैठक से पहले केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सवार्नंद सोनोवाल ने कार-पूलिंग के माध्यम से पेट्रोल-डीजल की बचत, ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनका यह कदम आम लोगों को संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और ईंधन बचत को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए

प्रेरित करने वाला है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी एक कैबिनेट बैठक से पहले केंद्रीय मंत्री सिंधिया और राम मोहन नायडू ने कार पूलिंग कर संवेदनशीलता का संदेश दिया था। पीएम मोदी ने किया था आह्वान ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार देशवासियों से ऊर्जा संरक्षण को जनआंदोलन बनाने तथा पेट्रोल-डीजल की प्रत्येक बूंद बचाने का आह्वान करते रहे हैं। केन्द्रीय मंत्रियों की कार-पूलिंग जैसी पहल लोगों को ईंधन की बचत को लेकर प्रेरित करेगी।

अपनी कुर्सी से चिपके हैं धर्मेंद्र प्रधान, मल्लिकार्जुन खड़गे का शिक्षा मंत्री पर हमला, मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में, खड़गे ने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल के दौरान "90 पेपर लीक" हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। खड़गे ने कहा कि 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है, नीट पेपर लीक की वजह से 20 बच्चों ने अपनी जान दे दी है और कई परिवार बर्बाद हो गए हैं। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं

और इंटरव्यू देते समय 'स्टूडेंट्स इको' को 'आतंकवादी' कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। किसानों के विरोध-प्रदर्शन का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहा था। खड़गे ने जोर देकर कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में जोर पकड़ेगा और उन्होंने प्रधान के इस्तीफे की मांग की। "देश यह नहीं भूला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद संसद में किसानों के हितैषियों को अपमानजनक ढंग से 'आंदोलन-जीवी' और 'परजीवी' कहा था। उन्होंने कहा कि जो कोई भी इस सरकार से सवाल करता है, उसे देश-विरोधी कहा जाता है। 'छात्रों की गूंज' पूरे देश में जोरदार ढंग से सुनाई देगी। मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक इंटरव्यू में प्रधान ने कहा था कि जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शन विघटनकारी तत्वों की 'बी-टीम' हैं। इंटरव्यू में प्रदर्शनकारियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे विघटनकारी तत्वों की 'बी-टीम' हैं।

बांग्लादेश सीमा पर जबरदस्त कोहराम, सुवेंदु अधिकारी ने 10 हजार घुसपैठिये भगाये, कई अब भी होल्डिंग सेंटरों में बंद

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल की सीमा पर इन दिनों एक ऐसा अभियान चल रहा है जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। बंगाल सरकार और सीमा सुरक्षा बल ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में साफ शब्दों में कहा है कि अब बंगाल की धरती पर अवैध तरीके से रहने वालों के लिए कोई जगह नहीं बची है। उन्होंने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि अब तक लगभग दस हजार अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा जा चुका है, जबकि अठारह सौ लोग राज्य के बारह होल्डिंग सेंटरों में रखे गए हैं और उन्हें भी जल्द सीमा पार भेजा जाएगा। शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में कहा कि भारत के असली नागरिकों को घबराने की जरूरत नहीं है। चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या राजनीतिक विचार से जुड़ा हो, सरकार उसके साथ खड़ी है। लेकिन जो लोग अवैध तरीके से सीमा पार करके बंगाल में घुसे हैं, उनके खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल सीमा के छह सौ किलोमीटर हिस्से में कांटेदार तार लगाने का काम अगले छह महीनों में पूरा कर लिया

जाएगा, क्योंकि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अवैध घुसपैठियों को जेल में रखकर मुफ्त भोजन और दवाइयां देने की बजाय उन्हें सीधे बांग्लादेश वापस भेजा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता का पैसा देश विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों पर नहीं खर्च होगा, बल्कि अन्नपूर्णा योजना जैसी जनकल्याण योजनाओं में लगाया जाएगा। शुभेन्दु अधिकारी ने यह भी बताया कि उनकी पिछली

शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में कहा कि भारत के असली नागरिकों को घबराने की जरूरत नहीं है। चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या राजनीतिक विचार से जुड़ा हो, सरकार उसके साथ खड़ी है। लेकिन जो लोग अवैध

चेतावनी के बाद कई बांग्लादेशी खुद ही हाकिमपुर सीमा से वापस लौट गए। सरकार के अनुसार, भारत बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए अब तक 142.69 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को सौंपी जा चुकी है। शुभेन्दु अधिकारी ने पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण वर्षों तक सीमा सुरक्षा के काम में बाधा डाली गई। इसके अलावा, उत्तर 24 परगना जिले के हाकिमपुर गांव की तस्वीर इस समय पूरे अभियान का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सुबह के अंधेरे में बसों से उतरते लोग और गोद में बच्चों को लिए महिलाएं इस बात का संकेत दे रहे हैं कि अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई ने सीमावर्ती इलाकों में हलचल मचा दी है। मोबाइल संदेशों और सोशल मीडिया के जरिए यह खबर तेजी से फैली कि सरकार अब अवैध बांग्लादेशियों को चिन्हित कर वापस भेज रही है। इसके बाद अनेक लोग खुद ही सीमा क्षेत्रों की ओर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि हाकिमपुर में पहुंचे कई लोगों ने स्वीकार किया कि वे बांग्लादेश से काम की तलाश में भारत आए थे। किसी ने गोदाम में मजदूरी की, किसी ने सफाई का काम किया, तो किसी ने रेलवे स्टेशन के आसपास छोटे रोजगार से परिवार चलाया। लेकिन अब जब सरकार ने सख्ती शुरू की है तो उनमें डर फैल गया है।

संपादकीय

सेहत पर भारी विकास

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दशार्ती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दशार्ता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव ।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्ष्यस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

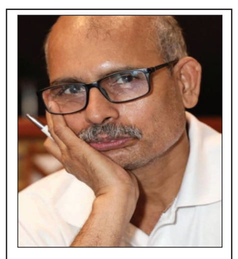

विनोद कुमार सिंह

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है।यहाँ मंदिर केवल पूजा- अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा,चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं,तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे- सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है।

ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- 'राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक परियोजना नहीं था।यह स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक था।दशकों तक चले संघर्ष,सामाजिक विमर्श, राजनीतिक बहसों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद जब मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, तब देश के कोने-कोने से लोगों ने इसे अपनी व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर सहयोग दिया। गाँवों से लेकर महानगरों तक,भारत से लेकर विदेशों तक,करोड़ों लोगों ने आर्थिक और भावनात्मक रूप से इस अभियान में भागीदारी की।

किसी ने एक रुपया दिया,किसी ने लाखों रुपये का दान किया।अनेक श्रद्धालुओं ने सोना,चाँदी,हीरे,मोती और बहुमूल्य रत्न अर्पित किए। कई परिवारों ने पीढ़ियों से संभालकर रखे गए आभूषण रामलला को समर्पित कर दिए। महिलाओं ने अपने विवाह के गहने तक दान कर दिए।बुजुर्गों ने अपनी जीवनभर की बचत का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित किया। यह केवल आर्थिक योगदान नहीं था,बल्कि श्रद्धा,समर्पण और विश्वास की अभिव्यक्ति थी।

राम मंदिर आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई दी। गरीब,मध्यमवर्गीय और संपन्न - सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दिया।यही कारण है कि मंदिर से जुड़ा प्रत्येक संसाधन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास का प्रतीक माना जाता है।लोगों ने यह मानकर दान दिया कि उनका योगदान भगवान राम के भव्य मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक-सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति में लगेगा।भारतीय संस्कृति में दान और चढ़ावे की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।मंदिरों को सदियों से समाज ने केवल पूजा स्थलों के रूप में नहीं,बल्कि लोककल्याण के केंद्र के रूप में भी देखा है।इतिहास गवाह है कि अनेक मंदिरों ने शिक्षा,चिकित्सा,सामाजिक सहायता और सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रद्धालु जब मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते हैं,तब वे केवल धन नहीं देते, बल्कि संस्था के प्रति अपना विश्वास भी सौंपते हैं।यही विश्वास किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है।यही कारण है कि जब चढ़ावे में प्राप्त बहुमूल्य वस्तुओं, आभूषणों और रत्नों के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता,चोरी अथवा अभिलेखीय विसंगतियों की चर्चा सामने आती है,तो समाज में स्वाभाविक रूप से चिंता उत्पन्न होती है।पिछले कुछ समय से विभिन्न माध्यमों में ऐसी खबरें और आरोप चर्चा का विषय बने कि श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई कुछ बहुमूल्य वस्तुओं के संबंध में प्रश्न उठे हैं।कुछ शिकायतों में यह आशंका व्यक्त की गई कि चढ़ावे में प्राप्त मूल्यवान वस्तुओं के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति को लेकर पारदर्शिता अपेक्षित स्तर की नहीं है।इन चचाओं ने मामले को सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया और जाँच एजेंसियों की संभावित भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठने लगे।यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी आरोप को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप,जाँच और न्यायिक निष्कर्ष तीन अलग-अलग चरण होते हैं।केवल आरोपों के आधार पर किसी संस्था या व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही जब मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हो,तब उठ रहे प्रश्नों को केवल अफवाह कहकर खारिज कर देना भी उचित नहीं माना जा सकता।जनविश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों अनिवार्य हैं।राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि राष्ट्रीय भावना, सांस्कृतिक चेतना और सभ्यतागत स्मृति का प्रतीक है।इसीलिए उससे जुड़े प्रत्येक निर्णय,प्रत्येक व्यवस्था और प्रत्येक संसाधन पर समाज की निगाह रहती है। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि उनके द्वारा समर्पित धन और बहुमूल्य वस्तुओं का संरक्षण किस प्रकार किया जा रहा है,उनका लेखा-जोखा कैसे रखा जा रहा है,क्या स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था है,क्या समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाती है तथा क्या चढ़ावे का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित और सत्यापित रूप में उपलब्ध है।ये प्रश्न किसी धर्म, व्यक्ति या संस्था विशेष के विरोध में नहीं हैं।वास्तव में ये प्रश्न उन करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा से जुड़े हैं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण को अपना व्यक्तिगत और सांस्कृतिक दायित्व मानकर सहयोग दिया था।लोकतांत्रिक समाज में पारदर्शिता को अविश्वास का प्रतीक नहीं,बल्कि विश्वास को और अधिक मजबूत करने का माध्यम माना जाता है।यहीं पर राम मंदिर निर्माण और उसके संचालन से जुड़ी प्रबंधन व्यवस्था तथा प्रबंधन समिति की भूमिका चर्चा के केंद्र में आ जाती है।किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान की विश्वसनीयता केवल उसकी भव्यता से निर्धारित नहीं होती।उसके प्रशासनिक मानक,वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।यदि प्रबंधन व्यवस्था पारदर्शी,व्यवस्थित और उत्तरदायी दिखाई देती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास स्वतः बढ़ता है।यदि कहीं अस्पष्टता या सूचना का अभाव दिखाई देता है,तो प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है।

जब किसी संस्था को जनता का व्यापक समर्थन और संसाधन प्राप्त होते हैं,तब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ जाती है।श्रद्धालु यह अपेक्षा करते हैं कि मंदिर से जुड़े सभी आर्थिक और प्रशासनिक कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हों।यदि कहीं कोई शिकायत या संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका समाधान तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर किया जाए। यही किसी भी प्रतिष्ठित संस्था की साख को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है।भारत का संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था यह स्पष्ट करती है कि कोई भी संस्था कानून से ऊपर नहीं है।चाहे वह धार्मिक संस्था हो,सामाजिक संगठन हो,राजनीतिक दल हो अथवा कोई बड़ी कॉरपोरेट इकाई -सभी के लिए कानून समान है। इसलिए यदि किसी प्रकार की शिकायत सामने आती है,तो जाँच एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।हालाँकि जाँच एजेंसियों की भूमिका को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।किसी संस्था के विरुद्ध जाँच होना अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं होता।जाँच का उद्देश्य दोषी ठहराना नहीं,बल्कि सत्य तक पहुँचना होता है।यदि सब कुछ व्यवस्थित और पारदर्शी है, तो जाँच संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूत कर सकती है।यदि कहीं कोई त्रुटि या अनियमितता है, तो उसका सामने आना भी आवश्यक है।यही कानून के शासन का मूल आधार है।दुर्भाग्य से समाज में अक्सर दो चरम स्थितियाँ देखने को मिलती हैं।एक वर्ग बिना किसी निष्कर्ष के ही आरोपों को सत्य मान लेता है।दूसरा वर्ग केवल भावनाओं के आधार पर हर प्रश्न को साजिश घोषित कर देता है।दोनों ही दृष्टिकोण स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं हैं।सत्य तक पहुँचने का मार्ग तथ्यों,प्रमाणों और निष्पक्ष जाँच से होकर गुजरता है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति में मर्यादा,न्याय और सत्य के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं।रामराज्य की अवधारणा केवल धार्मिक भावना नहीं,बल्कि सुशासन का आदर्श भी है।रामराज्य का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शासन पारदर्शी हो,न्याय निष्पक्ष हो और जनता का विश्वास सर्वोपरि हो। वहाँ राजा स्वयं भी नैतिक जवाबदेही से मुक्त नहीं था। यही कारण है कि भगवान राम आज भी केवल धार्मिक श्रद्धा के विषय नहीं,बल्कि आदर्श शासन और नैतिक नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं।यदि राम के नाम पर निर्मित किसी संस्था या व्यवस्था में पारदर्शिता की माँग उठती है,तो उसे विरोध के रूप में नहीं,बल्कि रामराज्य के आदर्शों के अनुरूप सुधार की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।आखिर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन स्वयं सत्य,मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है।इतिहास गवाह है कि धर्म का उद्देश्य सदैव समाज को नैतिक दिशा देना रहा है।मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं ने शिक्षा, सेवा, समाज-सुधार तथा जनकल्याण के अनेक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का एक बड़ा कारण उनकी सेवा-परंपरा भी रही है।इस कारण जब किसी प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था पर कोई प्रश्न उठता है, तो उसका प्रभाव केवल उस संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास को भी प्रभावित करता है।समय-समय पर कुछ लोगों ने धर्म की आड़ में अपने निजी हितों को साधने का प्रयास भी किया है। ऐसे लोगों के कारण न केवल संस्थाओं की छवि प्रभावित होती है,बल्कि वास्तविक धार्मिक मूल्यों को भी क्षति पहुँचती है। यही कारण है कि समाज में यह कहावत जन्मी–'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत आज भी इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि यह मानव स्वभाव की उस कमजोरी की ओर संकेत करती है, जिसमें व्यक्ति धार्मिकता का प्रदर्शन तो करता है, किंतु उसके आचरण में ईमानदारी और जवाबदेही का अभाव होता है। यदि किसी धार्मिक संस्था में चढ़ावे या दान से संबंधित कोई अनियमितता होती है,तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता। वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ भी विश्वासघात बन जाता है।

विश्वास किसी भी धार्मिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है। सोना-चाँदी और बहुमूल्य रत्नों की कीमत बाजार तय करता है,किंतु श्रद्धालुओं की भावनाओं की कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। इसलिए यदि कभी किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो,तो उसका समाधान शीघ्र,निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से होना चाहिए।

आज तकनीक ने पारदर्शिता के अनेक साधन उपलब्ध करा दिए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड,ऑनलाइन ऑडिट,वीडियो निगरानी,संपत्ति का सार्वजनिक अभिलेखीकरण, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ किसी भी धार्मिक संस्था की विश्वसनीयता को मजबूत कर सकती हैं।राम मंदिर जैसे विश्वस्तरीय धार्मिक केंद्र में ऐसी व्यवस्थाएँ केवल प्रशासनिक औपचारिकताएँ नहीं,बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की सुरक्षा का माध्यम हैं।समय की माँग है कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बोझ नहीं,बल्कि प्रतिष्ठा का आधार माना जाए। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही बड़ी जवाबदेही भी होगी। यह सिद्धांत लोकतंत्र, प्रशासन और धार्मिक संस्थाओं - सभी पर समान रूप से लागू होता है।

आवश्यकता इस बात की है कि आस्था और जवाबदेही को एक-दूसरे का विरोधी नहीं,बल्कि सहयोगी माना जाए।जहाँ पारदर्शिता होगी, वहाँ संदेह कम होंगे। जहाँ जवाबदेही होगी, वहाँ विश्वास मजबूत होगा।जहाँ विश्वास मजबूत होगा,वहाँ आस्था की गरिमा स्वतः सुरक्षित रहेगी।

अंततः 'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना' केवल एक व्यंग्यात्मक कहावत नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला दर्पण है। यह हमें याद दिलाती है कि धर्म का वास्तविक आधार ईमानदारी, सत्य,सेवा और नैतिकता है।राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है,इसलिए उससे जुड़ी हर व्यवस्था को संदेह से ऊपर, पारदर्शी और उत्तरदायी होना चाहिए।यदि कहीं कोई शिकायत है,तो उसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।यदि कोई आरोप है,तो उसका तथ्यात्मक परीक्षण होना चाहिए। यदि सब कुछ सही है, तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए।इससे न केवल विवादों का समाधान होगा,बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

भगवान राम केवल श्रद्धा के नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मर्यादा के भी प्रतीक हैं।राम के मंदिर की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता, ऊँचे शिखरों या बहुमूल्य चढ़ावों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में है जो करोड़ों लोगों ने उसमें समर्पित किया है।उस विश्वास की रक्षा करना ही आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।यही रामभक्ति की कसौटी है,यही सुशासन की पहचान है और यही वह मार्ग है जिस पर चलकर आस्था,पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति निरोध' कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही 'विश्वगुरु भारत' की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

मोबाइल कोर्ट में राज्य आयुक्त ने की 50 मामलों की सुनवाई

दिव्यांगजनों की समस्याओं को प्राथमिकता से करें निस्तारण-प्रो0 हिमांशु शेखर झा

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उ0प्र0 प्रो0 हिमांशु शेखर झा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में राज्य दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की मूल भावना के अनुसार सुदूरवर्ती पिछड़े क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों के लोगों (दिव्यांगजन), जोकि सरकार द्वारा उनके अधिकार एवं सुविधाओं हेतु चलाई जा रही योजनाओं, परियोजनाओं से जागरूक नहीं है, के मध्य जागरूकता बढ़ाने के लिए और समाज में उनके साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त कराने तथा पूर्ण एवं प्रभावी भागीदारी दिलाए जाने एवं इस सम्बन्ध में उनकी शिकायतों, समस्याओं को त्वरित रूप से स्थानीय स्तर पर निस्तारित कराए जाने के उद्देश्य से जनपद अमरोहा में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। मोबाइल कोर्ट के दौरान दिव्यांग प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड एवं दिव्यांग पेंशन से सम्बन्धित कुल 50 दिव्यांगजनों द्वारा अपनी-अपनी समस्याओं को अवगत कराया गया। दिव्यांग प्रमाण पत्र (यू0डी0आई0डी0) को लेकर राज्य आयुक्त द्वारा सप्ताह में दो दिन (यू0डी0आई0डी0) बनाने हेतु और मेडिकल बोर्ड में तीन वर्ष से अधिक डॉक्टर को सम्मिलित न करने एवं जिन दिव्यांगजनों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने है और वह निर्धारित सूची में आते है तो उनका आयुष्मान कार्ड बना दिये जाने संबंधी मुख्य चिकित्साधिकारी, अमरोहा निर्देश दिए गए। दिव्यांगजनों के राशन कार्ड बनाये जाने हेतु जिला पूर्ति अधिकारी, अमरोहा को निर्देशित किया गया कि दिव्यांगजनों के राशन कार्ड बनाये जाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। दिव्यांगजनों के राशन कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाए जाए। राशन कार्ड हेतु 10 दिव्यांगजनों का रजिस्ट्रेशन हुआ है और 01 राशन कार्ड जारी कर दिया है। दिव्यांगजनों के आवास बनाये जाने हेतु परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास विभाग, अमरोहा को निर्देशित किया गया कि दिव्यांगजनों के आवास से सम्बन्धित आवेदन पत्रों का जल्द से जल्द सत्यापन कराते हुए उनकी सूची तैयार उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आवास प्रदान किया जाए। दिव्यांगजनों की पेंशन न आने से संबंध में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा को निर्देशित किया कि वह निदेशालय में सम्पर्क स्थापित कर लें और पेंशन कब तक दिव्यांगजनों के खातों में आएगी संबंधित सूचना से जनपद के दिव्यांगजनों को अवगत करा दें और पेंशन न आने के कारणों की जांच करते हुए उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। इसी क्रम में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उ0प्र0 के कर कमलों द्वारा दो दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान करते हुए उन्हें बधाई दी साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा भी दोनों दिव्यांगजनों को बधाई दी। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा राज्य आयुक्त को आश्वासन दिया गया कि आपके द्वारा दिये गये निर्देशों का जनपद के संबंधित विभाग के अधिकारी पूर्णतया पालन करेंगे और आपके द्वारा दिव्यांगजनों के हित में किये जा रहे कार्य बहुत प्रशंसनीय है और इसका लाभ दिव्यांगजनों को अवश्य मिलेगा। अंत में राज्य आयुक्त द्वारा दिव्यांगजनों को बेहतर भविष्य की बधाई देते हुए उपस्थित सभी व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मोबाइल कोर्ट का समापन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी ग्राम्य विकास विभाग, अमरोहा मुख्य चिकित्साधिकारी, अमरोहा, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अमरोहा, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा, श्रम परिवर्तन अधिकारी, अमरोहा, जिला पंचायत राज अधिकारी, अमरोहा, जिला पूर्ति अधिकारी, अमरोहा, अधिशासी अभियंता, विघुत विभाग, अमरोहा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम डॉ0 नितिन गौड़ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किया त्रैमासिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- कलैक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अमरोहा डीएम डॉ0 नितिन गौड़ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा और सिक्योरिटी को 24 घंटे तैनात रहने के निर्देश दिए। डीएम ने गोदामों में रखी बैलेट व कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी देखा और गोदाम में लगी सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गैर चुनाव अवधि के दौरान वेयरहाउस में ईवीएम एवं वीवीपैट के सुरक्षित भंडारण एवं सुरक्षा व्यवस्था के त्रैमासिक निरीक्षण के निर्देशों के क्रम में वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर चंद्रकांता, प्रतिनिधि भाजपा चंद्रभान सिंह, प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा जफर महमूद अब्बासी, प्रतिनिधि आम आदमी पार्टी हारिस मंसूरी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने किया विभिन्न कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- तहसील अमरोहा स्थित विभिन्न कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ व पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा किया गया। निरीक्षण के समय उपजिलाधिकारी, अमरोहा, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर, जिला विद्यालय निरीक्षक, अमरोहा व सी०एफ०ओ० उपस्थित रहें। सर्व प्रथम लर्नर्स वाल्ट कोचिंग सेन्टर, निशा वैक्वेट हॉल के पास अमरोहा का निरीक्षण किया गया तदुपरान्त के०सी०जी० अतरासी रोड अमरोहा तथा इण्डियन कोचिंग एकेडमी मौ० शकूरपुरा अमरोहा का औचक निरीक्षण कर कोचिंग सैन्टरो में स्थापित अग्निशमन यन्त्रों की गुणवत्ता, कोचिंग सैन्टर संचालन में अग्निशमन विभाग की एन०ओ०सी० तथा इमरजेन्सी निकास द्वार आदि का निरीक्षण किया गया। जिन कोचिंग संस्थानों द्वारा अग्निशमन विभाग की एन०ओ०सी० प्राप्त नहीं की गयी थी उसके लिये संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया कि कोचिंग सैन्टर संचालकों को नोटिस जारी कर एन०ओ०सी० की कार्यवाही तत्काल पूर्ण करायें। इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा तहसील स्तर पर टीम गठित कर क्षेत्र में चल रहे सभी कोचिंग सैन्टर्स को चिन्हित कर उक्तानुसार समस्त कार्यवाहियाँ तत्काल पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने नव निर्मित नाइन लेयर सिंथेटिक लोन टेनिस कोर्ट फीता काटकर किया उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा अध्यक्षा नगर पालिका परिषद अमरोहा शशि जैन की उपस्थिति में स्पोर्ट्स स्टेडियम, माली खेड़ा, अमरोहा में नव निर्मित नाइन लेयर सिंथेटिक लोन टेनिस कोर्ट का उद्घाटन फीता काटकर खिलाड़ियों को समर्पित किया गया। तदोपरान्त जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकान्त त्यागी जिलाधिकारी और नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन को बुके देकर स्वागत किया। डीएम ने कहा कि इस कोर्ट के जरिए युवा टेनिस खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल सकेगा। अच्छे तरीके से वह अभ्यास कर सकेंगे। खेलने से शारीरिक विकास होता है। स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है और खेलों से तनाव भी कम होता है।

उन्होंनें कहा कि ऐसी सुविधाओं की उपलब्धता जिले में खेल गतिविधियों के प्रति रुचि जगाती है, जिससे अधिक लोग, खासकर युवा, सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता पी0 डब्ल्यू0 डी0 गिरीश कुमार, सहायक अभियंता आजम वारिस, अवर अभियंता मुकेश कुमार अवर अभियंता, हरीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन संबंधी मॉक ड्रिल का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को जनपद के थाना अमरोहा देहात परिसर में फायर सर्विस अमरोहा द्वारा अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन संबंधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान थाना स्टाफ को आग लगने की स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित कार्यवाही करने, अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग तथा आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों के संबंध में व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। फायर सर्विस टीम द्वारा विभिन्न प्रकार की संभावित अग्निकांड की घटनाओं से निपटने के उपायों का प्रदर्शन किया गया तथा उपस्थित पुलिस कर्मियों को अग्निशमन यंत्रों के संचालन का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को आपदा एवं आगजनी जैसी आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु प्रशिक्षित एवं जागरूक बनाना रहा। मॉक ड्रिल में थाना अमरोहा देहात के समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता की।

अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया मेहंदी का जुलूस, रात दिन मजलिसों का सिलसिला जारी

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- बीती रात्रि हजरत कासिम की मेहंदी का जुलूस निकाला गया। कर्बला के शहीदों की याद में रात और दिन मजलिसों का सिलसिला जारी है। घरों से या हुसैन या हुसैन की सदाएं आ रही हैं। बीती रात्रि जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी में हजरत कासिम की मेहंदी का जुलूस निकाला गया। जुलूस से पहले इमामबारगाहे अबू तालिब में मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस में मर्सिया ख्वानी जीशान हैदर और उनके साथियों ने की। मजलिस को मौलाना नदीम रजा ने खिताब फरमाते हुए वाक्याते कर्बला पर विस्तार से रोशनी डाली। मजलिस के बाद जुलूस हुसैनी चौक होता हुआ इमामबारगाहे बाबुल हवाईज पहुंचा। वहां से चांदनी चौक, भाटों वाला कुआं, मैन बाजार, मदरसा चौक, मोहल्ला देशलान, गोल इमामबाड़ा होता हुआ इमामबारगाहे बाबुल हवाइज में आकर समाप्त हुआ। नगर में रात दिन मजलिसों का दौर जारी है। इमामबारगाहे बाबुल हवाइज में मजलिस का आयोजन किया गया। जिसमें मर्सियाख्वानी जीशान हैदर और उनके साथियों ने की। मजलिस को खिताब फरमाते हुए मौलाना हसीन अख्तर ने फजाईले अहलेबैत बयान किए तथा कर्बला के मसाइब बयान किए। मासाईब सुनकर अजादर रोने लगे। नोहा ख्वानी अकबर मेहंदी, कल्बे अब्बास आदि ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौलाना शाकिर मंगलोरी , नूरुल हसन, बिलाल बाकरी, आफाक हुसैन, गुल मोहम्मद, नजीर अब्बास, जहीर अब्बास, हसन मेहंदी, अखलाक हुसैन, एडवोकेट आदिल जैदी, शोएब जैदी, मोहसिन शहादत, कमाल अब्बास, मोहम्मद असगर, मौहम्मद अब्बास, शाने असगर, फजले अकबर, जैद अब्बास मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला नगरीय विकास अभिकरण की शासी निकाय की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्टेट सभागार में जिला नगरीय विकास अभिकरण अमरोहा की शासी निकाय बैठक आयोजित की गई। जिसमें डूडा द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर निधि (पी०एम० स्वनिधि) योजना व अन्य योजनाओं की प्रगति समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होनें जनपद अमरोहा स्तर पर डूडा अमरोहा द्वारा सभी संचालित योजनाओं में अथक प्रयास कर वांछित प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए गये। जिलाधिकारी ने डिप्टी कलेक्टर/पी0ओ0 डूडा मसीहा नजम को निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत जिन लाभार्थियों को पैसा दिया गया है उन्होनें मकान का निर्माण नही कराया, ऐसे लोगो को चिन्हित कर उन पर कड़ी कार्यवाही की जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष जितने प्रकरण लम्बित है उन्हें पूर्ण कर लें। पी0एम0 स्वनिधि योजना के अन्तर्गत बैंको से सहयोग न मिलने पर जिलाधिकारी ने डूडा विभाग को निर्देश दिये कि लीड बैंक मैनेजर और समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद, जनपद अमरोहा से समन्वय स्थापित कर कार्यों को पूर्ण करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रमाकान्त सागर आदि सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की समीक्षा बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापार जगत के विभिन्न पदाधिकारी द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा गया। व्यापार बंधु की समस्याएं सुनकर जिलाधिकारी ने निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग के अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी के साथ स्पष्टीकरण और माह जून के वेतन रोकने के आदेश संबंधित को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर/संयोजक सचिव जिला व्यापार बंधु समिति को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी बैठकों में व्यापार बंधु एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को पत्र भेजने के साथ-साथ एक दिन पूर्व फोन करके मीटिंग की जानकारी देना सुनिश्चित करेंगे और यह भी अवगत कराया करेंगे की संपूर्ण जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित हो। व्यापार बन्धुओं द्वारा जनपद में एक्सपायरी कोल्डड्रिंक, तेल की मिलावट आदि की शिकायत करने पर जिलाधिकारी ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में जितने भी रेस्टोरेंट, होटल संचालित हैं, उसमें तेल की सप्लाई के बिल और उनके सैंपल एकत्र कर जानकारी इकट्ठा करें। उन्होंने कहा कि एक फूड डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ संवाद गोष्ठी का आयोजन किया जाये। व्यापार बंधुओं के पदाधिकारी ने जिलाधिकारी के समक्ष फूड विभाग के साथ बैठक आयोजित करने की मांग रखी ताकि फूड विभाग और व्यापारियों में संवाद रहे और सामंजस्य बना रहे इसके लिए जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए कि आगामी बैठक में यह मुद्दा नहीं उठना चाहिए इसलिए एक गोष्ठी का आयोजन अवश्य किया जाये।

बैठक में विद्युत, साफ सफाई आदि की समस्याएं व्यापारियों ने प्रमुखता के साथ रखी। बैठक में कोतवाली से लेकर कोट के चौराहे तक ई रिक्शा द्वारा लगने वाले जाम से निजात के लिए जिलाधिकारी महोदय के समक्ष अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए की ट्रैफिक पुलिस से बात कर उचित कार्रवाई करें।

जिलाधिकारी ने व्यापार बन्धुओ की समस्याओं को सुनकर संबंधित को समय के साथ निस्तारण करने के निर्देश।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला चौपला चौराहे पर सरेआम दबंगों का आतंक, युवक को पीटकर ई-रिक्शा में जबरन ले जाने का मामला

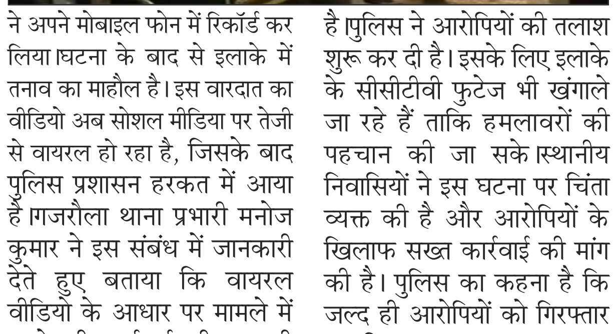

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली इलाके के चौपाल चौराहे पर कुछ युवकों की सरेआम दबंगई करने का मामला सामने आया है जिसमें कुछ दबंग लोग एक युवक को पीटते हुए जबरन ई रिक्शा में खींचकर ले जाते हैं इतना ही नहीं बल्कि दबंग युवक ई रिक्शा में युवक को पीटते हुए ले जाते हैं। मारपीट का यह पूरा मामला चौराहे पर लगे किसी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बता दें कि इस मामले में प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह वारदात गजरौला की चौपला पुलिस चौकी के पास दिल्ली रोड पर हुई। ई-रिक्शा में सवार तीन युवकों पर पीड़ित को जबरन ले जाने का आरोप है। इस मारपीट और अपहरण की घटना को मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया।घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। इस वारदात का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया है।गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इसके लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।स्थानीय निवासियों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर सपा ने दी श्रद्धांजलि, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय चंदौसी में बुधवार को रानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि रानी दुर्गावती गोंडवाना की वीरांगना थीं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कुशल नेतृत्व का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि पति दलपत शाह की मृत्यु के बाद रानी ने अपने नाबालिग पुत्र वीर नारायण के नाम पर गढ़ा-मंडला राज्य का शासन संभाला और 16 वर्षों तक सफलतापूर्वक राज्य का संचालन किया। उन्होंने रानी दुर्गावती को निडर योद्धा, कुशल प्रशासक एवं जनकल्याणकारी शासक बताते हुए उनके द्वारा निर्मित बांध, तालाब और नहरों का उल्लेख किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि रानी दुर्गावती का बलिदान नारी शक्ति, स्वाभिमान और देशभक्ति का प्रतीक है। उनका जीवन और संघर्ष आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा और साहस का संदेश देता है। कार्यक्रम से पूर्व जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने डबिंग, फजीर्वाड़े एवं मतदाता सूची से संबंधित समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी चंदौसी को ज्ञापन भी सौंपा। इस दौरान पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा में विमलेश कुमारी, बलवत सिंह, उमेश दिवाकर, कामरेड रेवाराम, दुर्गेश कुमारी, राजेश कुमारी, संगीता यादव, ममता, मधुर कचन, रजोरिया, संजय मदान, रिंकू चौहान, विजय यादव, इंद्रजीत यादव, शिवम यादव, बलवीर यादव, शेखर शर्मा, राहुल कुमार, चंदकेश यादव, गिरीश यादव, तेजिंदर सिंह, पंकज शर्मा, ओमप्रकाश प्रजापति, अभय यादव, पूरन सिंह मौर्य, महेश मौर्य, चरख सिंह, तेजपाल सिंह एवं मुकेश गौतम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तुषार वार्ष्णेय का चयन, शिव भक्तों में खुशी

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- नगर के प्रसिद्ध शिव भक्त तुषार वार्ष्णेय का चयन श्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन कंप्यूटराइज्ड लकी ड्रॉ के माध्यम से हुआ है। उनका चयन यात्रा के द्वितीय बैच में किया गया है। उन्हें आगामी 4 जुलाई को नई दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय में रिपोर्टिंग एवं मेडिकल परीक्षण के लिए बुलाया गया है। तुषार वार्ष्णेय ने बताया कि वह प्रतिवर्ष श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ बाबा अमरनाथ यात्रा करते हैं। इस वर्ष उनकी दसवीं अमरनाथ यात्रा की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से उनका चयन कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए हो गया। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का एक दुर्लभ और अविस्मरणीय अवसर है। उन्होंने भावुक होकर कहा, मैं बाबा अमरनाथ से क्षमा प्रार्थना करता हूं। इस बार भोलेनाथ ने मुझे अपने कैलाश धाम में बुलाया है। बाबा सभी भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखें। तुषार वार्ष्णेय ने कहा कि कैलाश मानसरोवर केवल एक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों शिव भक्तों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। भगवान शिव के दिव्य धाम के दर्शन करना हर शिव भक्त के जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य और आध्यात्मिक अनुभव होता है। तुषार वार्ष्णेय के चयन पर अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल एवं उनके परिवारजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। मंडल के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अनु ने कहा कि तुषार का चयन पूरे चंदौसी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि नगर के एक शिव भक्त को कैलाश धाम के दर्शन का अवसर मिलना सभी के लिए खुशी और गर्व का विषय है। उन्होंने तुषार की सुखद सफल एवं निर्विघ्न यात्रा की कामना की इस अवसर पर अनुज वार्ष्णेय अनु मीरा गुप्ता पूनम वार्ष्णेयराहुल अमित उमाकांत, मोहित ठाकुर सहित अनेक परिवारजन एवं शिव भक्त उपस्थित रहे। तुषार वार्ष्णेय के चयन की खबर से पूरे चंदौसी में शिव भक्तों के बीच खुशी की लहर है। नगरवासी और श्रद्धालु उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनकी मंगलमय एवं सफल कैलाश मानसरोवर यात्रा की कामना कर रहे हैं।

यातायात जागरूकता अभियान, सुरक्षित चालक सुरक्षित परिवार का दिया संदेश

बहजोई /संभल (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। इसी उद्देश्य के साथ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी यातायात के नेतृत्व में कस्बा बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर एक विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर एक सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना रहा। अभियान के दौरान मुख्य आरक्षी सोनू अहलावत ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी। सड़क पर सुरक्षा केवल स्वयं की नहीं बल्कि अन्य लोगों के जीवन की सुरक्षा से भी जुड़ी हुई है।उन्होंने हेलमेट को 'जीवन रक्षक कवच बताते हुए सभी दोपहिया वाहन चालकों से इसका अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की।जागरूकता अभियान के तहत वाहन चालकों को निम्नलिखित नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से बचें।निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और लेन अनुशासन बनाए रखें।दुर्घटनाओं से बचने के लिए सड़क संकेतों का हमेशा पालन करें। सुरक्षित परिवार का संदेश देते हुए लोगों को यातायात नियमों को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाने की सीख दी गई।

इस मौके पर टीएसआई अशोक कुमार एवं कांस्टेबल अभिषेक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पुलिस टीम ने सभी नागरिकों से एक सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त यातायात व्यवस्था के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में टूटने से बचा एक परिवार, तीन मामलों का हुआ निस्तारण

चंदोसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को चंदौसी के गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी पर संपन्न हुई। यह बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी व थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित की गई।बैठक के दौरान थानाध्यक्ष डॉ. रूकम पाल सिंह और उपस्थित काउंसलरों ने आपसी विवादों से घिरे पति-पत्नी के मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का सराहनीय प्रयास किया। बैठक में कुल 29 मामलों पर विस्तार से सुनवाई की गई। कुल तीन पत्रावलियों का मौके पर निस्तारण किया गया। एक बिखरे हुए परिवार को काउंसलरों द्वारा समझा-बुझाकर उनके बीच की कड़वाहट को दूर किया गया जिसके बाद पति-पत्नी साथ रहने को राजी हो गए और खुशी-खुशी घर लौटे।

दो पत्रावलियों को आवेदकों द्वारा आगे की कार्रवाई पर बल न देने व अन्य तकनीकी कारणों से बंद कर दिया गया।इस दौरान परिवार को जोड़ने के इस पुनीत कार्य में काउंसलर श्वेता गुप्ता, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मुख्य आरक्षी हे0का0मनोहर सिंह और रुचि सहित पुलिस स्टाफ के कई लोग उपस्थित रहे।

राम मंदिर दान-चढ़ावा प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग, कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी संभल ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान, चढ़ावा एवं रामधन से जुड़े कथित घोटाले के मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है। इस संबंध में कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाधिकारी संभल के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष हाजी आरिफ तुर्की ने ज्ञापन में कहा कि अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़े कथित चोरी एवं घोटाले की खबरों ने आम जनमानस की आस्था को गहरा आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, जिससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि पूरे प्रकरण में तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए तथा निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनका कहना था

कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना आवश्यक है, ताकि लोगों का विश्वास कायम रह सके। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने राज्यपाल से मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराने की मांग की है।

श्रावण मास की तैयारियों को लेकर पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित

पुलिस अधिकारियों ने कांवड़ एवं डायवर्जन मार्गों का किया निरीक्षण

संभल(सब का सपना):- आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं कांवड़ नोडल अधिकारी कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था एवं वाहनों के आवागमन के लिए प्रस्तावित डायवर्जन रूटों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात व्यवस्था तथा आम नागरिकों को होने वाली असुविधाओं को कम करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। कांवड़ यात्रा के दौरान भारी वाहनों एवं अन्य यातायात के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी तय किए गए। बैठक के उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग एवं प्रस्तावित डायवर्जन मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मार्गों की स्थिति, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस अवसर पर जनपद बुलंदशहर के अपर पुलिस अधीक्षक महेश कुमार, यातायात निरीक्षक बुलंदशहर तथा यातायात प्रभारी संभल जग रोशन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सैम बच्चों को एनआरसी भेजने के निर्देश, पोषण योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मातृ एवं शिशु पोषण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार ने गर्भवती महिलाओं के वजन वृद्धि (GWG), आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण, टेक-होम राशन, हॉट कुक्ड मील, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों, वीएचएसएनडी सत्रों तथा सैम एवं मैम बच्चों की स्थिति से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी सीडीपीओ अपने-अपने विकास खण्डों में संचालित योजनाओं की पूर्ण जानकारी रखें तथा नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और वास्तविक परिणाम सुनिश्चित करें। उन्होंने पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) चन्दौसी में सैम बच्चों के पंजीकरण की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी विकास खण्डों से चिन्हित गंभीर कुपोषित (सैम) बच्चों को एनआरसी भेजना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कायाकल्प अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा आकांक्षात्मक विकास खण्डों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बाल-मित्र शौचालयों की उपलब्धता, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा सम्भव अभियान की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। गर्भावस्था से लेकर बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस एवं पंचायती राज विभाग की भूमिका की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के पुनः खुलने से पूर्व समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाल स्वास्थ्य, मातृ पोषण एवं समग्र पोषण स्थिति जैसे महत्वपूर्ण विषयों को ट्रिपल-ए (AAA) बैठकों में प्राथमिकता के साथ शामिल किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उर्वरकों का पर्याप्त भंडार, कालाबाजारी पर सख्ती, दो थोक विक्रेताओं पर एफआईआर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में उर्वरक एवं बीज उपलब्धता को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने तथा अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा ने जनपद में निजी एवं सहकारी क्षेत्र के उर्वरक स्टॉक, यूरिया बिक्री, पॉस मशीन से खाद वितरण तथा उर्वरक निगरानी समिति की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विकासखण्ड स्तर पर उर्वरक निगरानी समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा सहकारी समितियों के नियमित संचालन के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की टैगिंग के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। यदि इस संबंध में कोई शिकायत या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था की रैंडम जांच कराने के भी निर्देश दिए। इसी क्रम में जनपद में दो थोक उर्वरक विक्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 27,421 मीट्रिक टन यूरिया, 4,268 मीट्रिक टन डीएपी तथा 19,442 मीट्रिक टन एनपीके सहित कुल 53,141 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्याप्त भंडार होने के बावजूद वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष 1 अप्रैल से 22 जून तक 30,381 मीट्रिक टन यूरिया का विक्रय हुआ है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1,069 मीट्रिक टन अधिक है। पिछले सात दिनों में औसतन 390 मीट्रिक टन यूरिया प्रतिदिन बेचा गया है। सहकारी समितियों के माध्यम से भी लगातार खाद का वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों के बीच जाकर संवाद स्थापित करने तथा उर्वरक उपलब्धता की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी ने भी उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों को नियमित रूप से खुला रखने पर जोर दिया, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओमवीर सिंह खड़गवंशी, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधि एवं निजी वितरक उपस्थित रहे।

धामपुर में एक्सिस बैंक के एटीएम में लगी आग, समय रहते टला बड़ा हादसा

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर-कालागढ़ मार्ग स्थित टीचर्स कॉलोनी के पास मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक्सिस बैंक के एक एटीएम से अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते एटीएम के अंदर आग लग गई, जिससे आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एटीएम से धुआं निकलता देख स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी

मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग को फैलने से रोकते हुए स्थिति को नियंत्रित कर लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि आग लगने की वास्तविक वजह की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। गनीमत रही कि आग समय रहते बुझा ली गई, जिससे एटीएम मशीन को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और उसमें रखा नकदी भंडार भी सुरक्षित बच गया। यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा आर्थिक नुकसान होने की आशंका थी। घटना के बाद पुलिस और बैंक अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। बैंक कर्मचारियों ने एटीएम की तकनीकी जांच शुरू कर दी है, जबकि पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटा रही है। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय पर पहुंची टीम की सतर्कता के कारण बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल बैंक प्रबंधन एटीएम की कार्यप्रणाली की जांच कर रहा है और सुरक्षा मानकों की समीक्षा भी की जा रही है।

ग्राम इस्लामाबाद पहुंचे विधायक कुंवर सुशांत सिंह, जनसमस्याओं पर की चर्चा

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक कुंवर सुशांत कुमार सिंह ने मंगलवार सुबह ग्राम इस्लामाबाद पहुंचकर राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के जिला अध्यक्ष चौधरी हरपाल सिंह प्रजापति के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उनके साथ ब्लॉक प्रमुख विकास कुमार भी मौजूद रहे।

सुबह करीब छह बजे विधायक के गांव पहुंचने पर चौधरी हरपाल सिंह प्रजापति एवं समाज के लोगों ने उनका फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह के दौरान ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोग विधायक से मिलने पहुंचे। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं, विकास कार्यों तथा

समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। चौधरी हरपाल सिंह प्रजापति ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से विधायक को अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। उन्होंने क्षेत्र में सड़क, पेयजल, बिजली तथा अन्य जनसुविधाओं से संबंधित मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। विधायक कुंवर सुशांत कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को गति देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे तथा संबंधित विभागों के माध्यम से समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और जनता के सहयोग से विकास की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, प्रजापति समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने विधायक के गांव पहुंचकर सीधे संवाद करने और उनकी समस्याओं को सुनने की पहल की सराहना करते हुए इसे जनप्रतिनिधि और जनता के बीच बेहतर संवाद का सकारात्मक प्रयास बताया।

नहटौर में 14 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध मौत से परिजनों में मचा कोहराम

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला अफगानान में सोमवार को एक 14 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला अफगानान निवासी हिबा नाज (14 वर्ष) की अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। किशोरी की मौत की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों का कहना है कि हिबा नाज बेहद मिलनसार और होनहार बच्ची थी। उसकी असमय मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घर पर मातम पसरा हुआ है और परिजनों को सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मृत्यु के कारणों को लेकर अभी कोई स्पष्ट निष्कर्ष सामने नहीं आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पीर बाबा बनकर महिला से ठगी, सोने के कुंडल लेकर फरार हुए दो शातिर

बिजनौर (सब का सपना):- मुरादाबाद रोड स्थित मिल चौराहा के पास राजधानी होटल के सामने एक महिला ठगी का शिकार हो गई। खुद को पीर बाबा बताने वाले दो शातिर महिला को झांसा देकर उसके सोने के कुंडल लेकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम खलीलपुर निवासी 50 वर्षीय संजीदा पत्नी अकील मुरादाबाद रोड स्थित मिल चौराहा के निकट खड़ी थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इसी दौरान एक अधेड़ व्यक्ति और एक युवक बाइक पर सवार होकर वहां

पहुंचे। दोनों ने महिला से बातचीत शुरू की और खुद को पीर बाबा बताते हुए दुआ देने तथा परेशानी दूर करने का दावा किया। आरोप है कि दोनों ने महिला से एक कागज मंगवाया और कुछ करतब दिखाते हुए विश्वास में ले लिया। इसके बाद उन्होंने महिला से कहा कि उसके सोने के कुंडल दोगुने कर दिए जाएंगे। झांसे में आकर महिला ने अपने कानों के सोने के कुंडल उन्हें दे दिए। कुछ ही देर बाद दोनों आरोपी कुंडल लेकर मौके से फरार हो गए। तब महिला को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गंगा दशहरा पर तिगरी व बृजघाट में श्रृद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, सुरक्षा व्यवस्था के रहे पुख्ता इंतजाम

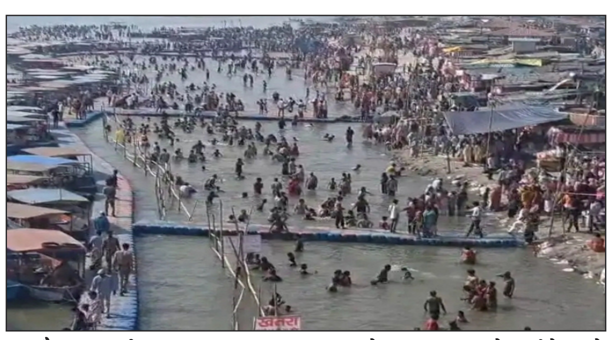

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के औद्योगिक नगरी क्षेत्र गजरौला के तिगरी गंगा धाम व ब्रजघाट गंगा घाट पर बुधवार को ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।बुधवार को भोर की पहली किरण के साथ दोनों गंगा घाट श्रद्धालुओं के भीड़ से खचाखच भर गए और सुबह की पहली किरण के साथ गंगा घाट हर हर गंगे के जयकारों से गूंज उठे। स्नान के बाद श्रद्धालु ने सूर्य देव को अर्घ्य देकर गंगा माता को फूल प्रसाद के साथ दीप प्रज्वलित कर पुण्य कमाया। दशहरा के इस अवसर पर स्नान घाटों पर कुछ श्रद्धालुओं ने बच्चों का मुंडन संस्कार भी सम्पन्न कराया। बता दें कि गंगा दशहरा स्नान के लिए मंगलवार शाम से ही आसपास के जिलों और पड़ोसी राज्यों से श्रद्धालु ब्रजघाट पहुंचना शुरू हो गए थे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गंगा घाटों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। गंगा के गहरे क्षेत्रों में खतरे के निशान लगाकर बैरिकेडिंग की गई थी, और पुलिसकर्मी व पीएसी की टीम ने नावों में बैठकर श्रद्धालुओं पर कड़ी निगरानी रखी। ब्रजघाट और तिगरी गंगा तीर्थ स्थल पर मेले का आयोजन भी किया गया। गंगा दशहरा के अवसर पर ब्रजघाट मेले में अपनों से बिछड़े लोगों को मिलाने के लिए एक खोया-पाया केंद्र स्थापित किया गया था।

इस केंद्र के माध्यम से कई बच्चों, महिलाओं और बड़ों को उनके परिजनों से मिलाया गया। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन और जाम से बचने के लिए प्रशासन ने नेशनल हाईवे 9 पर रूट डायवर्जन प्लान लागू किया था, जिसके तहत हल्के वाहन हाईवे पर चले जबकि भारी वाहनों को बदले मार्गों से निकाला गया।

स्टोर मैनेजर की मौत से शुगरमिल में हड़कंप

सूत्रों के दावों और कर्मचारियों के अलग-अलग बयानों पर चर्चा

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा स्थित शुगरमिल के स्टोर मैनेजर विवेक शंकर सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी विवेक शंकर सिंह शुगरमिल की भूड़ कॉलोनी स्थित आवास में अकेले रहते थे। बुधवार सुबह वह कार्यालय नहीं पहुंचे तो कर्मचारियों ने फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद कर्मचारी उनके आवास पहुंचे, जहां कमरा अंदर से बंद मिला। अधिकारियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया तो विवेक शंकर सिंह बिस्तर पर मृत अवस्था में मिले। घटना के बाद शुगरमिल में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अंजनी कुमार, थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तथा साक्ष्य एकत्र किए। इसी बीच सूत्रों के हवाले से चर्चा है कि मौत से पहले शुगरमिल के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा आयोजित एक बैठक में विवेक शंकर सिंह भी मौजूद थे। हालांकि जब इस संबंध में विभिन्न कर्मचारियों से जानकारी ली गई तो अलग-अलग बातें सामने आईं। कुछ कर्मचारियों ने ऐसी किसी बैठक की जानकारी होने से इनकार किया, जबकि कुछ ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इन विरोधाभासी बयानों के चलते क्षेत्र में कई तरह की चचाएं हैं। क्या किसी प्रकार का कार्यस्थल दबाव था, क्या किसी बात को लेकर तनाव की स्थिति थी, अथवा मौत के पीछे कोई अन्य कारण है, फिलहाल यह सब जांच का विषय है।

अभी तक पुलिस को ऐसा कोई आधिकारिक साक्ष्य नहीं मिला है जो किसी निष्कर्ष की ओर संकेत करता हो। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच की दिशा तय की जाएगी। रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धनौरा में डिजिटल ई-रजिस्ट्री के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन लगातार जारी, चक्का जाम करने की चेतावनी, सपा नेता का समर्थन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील में पिछले काफी दिनों से चल रहे डिजिटल ई-रजिस्ट्री के विरोध में अधिवक्ताओं द्वारा किया जा रहा प्रदर्शन बुधवार को भी लगातार जारी रहा। अधिवक्ताओं द्वारा इस विरोध प्रदर्शन को 11 जून से किया जा रहा है जिसके चलते धनौरा तहसील में बैनामों का कार्य पूर्ण रूप से प्रभावित हो रहा है। इस बार अधिवक्ताओं ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखते हुए प्रशासन को चक्का जाम करने की चेतावनी दी है।हड़ताल के कारण तहसील परिसर से जुड़े विभिन्न कार्यों पर भी असर पड़ा है। फोटो स्टेट, टाइपिंग, नोटरी और स्टांप विक्रेताओं के कामकाज में भी कमी देखने को मिल रही है। बता दें कि बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि आंदोलन के दौरान उन्होंने अपनी मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर पुनर्विचार किए जाने की आवश्यकता है।अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखकों ने कहा कि उनकी मांगों के समाधान तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान उन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने की बात कही।प्रदर्शन में बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप गुप्ता, महासचिव हितेश कुमार, लता सागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश सैनी, अनुराग, पंकज यादव, रविन्द्र यादव, किरणपाल सिंह, विवेक, विनोद कुमार शास्त्री, मूलचंद त्यागी, सहदेव भारती, भरत सिंह सैनी, राहत चौधरी, शिवकुमार सैनी, ओमवीर सैनी, हितेश टोनिया, राजपाल सिंह, आलोक भारती, राजीव सैनी, अशोक त्यागी, शाहनवाज सैफी, प्रदीप अग्रवाल, कपिल यादव, अनुज त्रिवेदी, मौ. शाहनवाज, अशरफ सिद्दीकी, सर्वेश शर्मा, अरशद चौधरी, चन्द्रकिरण, पुष्पेंद्र कुमार, संजय गौतम और नूर मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता व दस्तावेज लेखक मौजूद रहे।मंडी धनौरा। तहसील परिसर में चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल को बुधवार को समाजवादी पार्टी का समर्थन मिला। सपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के पति भूपेंद्र चौधरी धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत अधिवक्ताओं से मुलाकात की।इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं की मांगों के समर्थन में अपनी बात रखते हुए कहा कि वह उनके साथ खड़े हैं।

उन्होंने आंदोलन में शामिल अधिवक्ताओं को हर स्तर पर सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। भूपेंद्र चौधरी के पहुंचने पर अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया और अपनी मांगों से अवगत कराया

बिजनौर के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार, 15.40 करोड़ रुपये से बनेंगी और चौड़ी होंगी तीन प्रमुख सड़कें

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में औद्योगिक विकास और बेहतर यातायात व्यवस्था की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए शासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के अंतर्गत 15.40 करोड़ रुपये की लागत से तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन्वेस्ट यूपी द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद जिले के चांदपुर, नगीना और नजीबाबाद क्षेत्रों में कुल 7.85 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। यह परियोजनाएं जिले में स्थापित उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, कृषि उत्पादों के परिवहन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अधिकारियों के अनुसार इन परियोजनाओं का सीधा संबंध जिले में हुए लगभग 663.70 करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश से है।परियोजना के तहत सबसे महत्वपूर्ण कार्य चांदपुर क्षेत्र में किया जाएगा। यहां चांगीपुर स्थित बिन्दल पेपर मिल्स तक पहुंचने वाले मार्ग का चौड़ीकरण कर उसे फोर लेन स्टेट हाईवे के रूप

में विकसित किया जाएगा। गोहावर चौक केमरी शफुद्दीन रोड से चांदपुर पॉलिटेक्निक स्कूल तक लगभग 2.30 किलोमीटर लंबी सड़क को चौड़ा और मजबूत बनाने पर 4.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बिन्दल पेपर मिल्स द्वारा क्षेत्र में लगभग 660 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। ऐसे में सड़क के चौड़ीकरण से कच्चे माल की आपूर्ति और तैयार उत्पादों के परिवहन में काफी सुविधा होगी। इससे उद्योग की कार्यक्षमता बढ़ने के साथ-साथ क्षेत्रीय व्यापार को भी लाभ मिलेगा। नगीना तहसील में जिले की सबसे लंबी सड़क परियोजना प्रस्तावित की गई है। औरंगजेबपुर-मोहम्मदाबाद-हरेवली रोड पर रामलीला तिराहे से बेनीपुर गांव तक 5 किलोमीटर लंबी सड़क का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इस परियोजना पर 10 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह मार्ग वर्तमान में सिंगल लेन है, जिसे बेहतर बनाकर उद्योगों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अधिक उपयोगी बनाया जाएगा। इस क्षेत्र में संचालित नगीना बेवरेजेज द्वारा लगभग 3.50 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। सड़क बेहतर होने से परिवहन व्यवस्था सुगम होगी और उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। नजीबाबाद क्षेत्र में भी औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई सड़क बनाई जाएगी। गांव शाहनपुरा में रामपाल कंस्ट्रक्शन के निकट गाटा संख्या 546 से विलेज कनेक्टिविटी रोड तक 0.55 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। इस कार्य पर लगभग 1.10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नई सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और औद्योगिक इकाइयों तक पहुंच आसान होगी। योजना का लाभ केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें बेहतर होने से किसानों को अपनी फसल मंडियों और बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। परिवहन लागत कम होगी और समय की बचत होगी। इसके अलावा गांवों की मुख्य मार्गों और राज्य राजमार्गों से कनेक्टिविटी मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़कें दुर्घटनाओं में कमी लाने और यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने में भी सहायक होंगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत सड़क नेटवर्क किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास की रीढ़ होता है। बिजनौर में प्रस्तावित ये तीनों परियोजनाएं न केवल उद्योगों को नई गति देंगी, बल्कि रोजगार के अवसर बढ़ाने, व्यापार को विस्तार देने और ग्रामीण विकास को नई दिशा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत स्वीकृत ये परियोजनाएं आने वाले समय में बिजनौर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उभरते औद्योगिक केंद्रों में शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं।

संचारी रोग नियंत्रण के लिए जिला पंचायत राज विभाग ने तैयार किया माइक्रो प्लान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में संचारी रोगों (मच्छर जनित बीमारियों) को नियंत्रित करने के लिए जिला पंचायत राज विभाग द्वारा विस्तृत माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत 1 जुलाई से सभी ग्राम पंचायतों में व्यापक स्वच्छता एवं साफ-सफाई कार्य शुरू किए जाएंगे।अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में फेरी श्रमदान चर्चा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही

झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई, तालाबों की सफाई और गड्ढों को भरने का कार्य किया जाएगा। ग्राम सभा की बैठक आयोजित कर स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। खराब एवं उथले सरकारी हैंडपंपों की जांच की जाएगी तथा आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण किया जाएगा। हैंडपंप के प्लेटफॉर्म की मरम्मत भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए एंटी लार्वा फॉगिंग का कार्य भी किया जाएगा। जिला पंचायत राज अधिकारी ने कहा कि यह अभियान जन सहभागिता से चलाया जाएगा। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा ताकि डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। सभी ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि 1 जुलाई से निर्धारित कार्य योजना के अनुसार कार्य तत्काल शुरू करें और नियमित रिपोर्टिंग करें। यह माइक्रो प्लान संचारी रोग नियंत्रण अभियान को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

युवक का शव पंखे से झूलता मिला

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव फतेहगढ़ में एक युवक का शव पंखे से झूलता मिला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया है। बताया गया है कि बुधवार को संदीप (28 वर्ष) पुत्र राजेंद्र सिंह की पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। कुछ देर बाद संदीप ने कमरे की अंदर से कुंदी लगा ली और छत के पंखे से रस्सी बांध गले में फांसी लगाकर झूल गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वह अहमदगढ़ में वाहन धुलाई का कार्य करता था। करीब 15 साल पहले मां की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। पिता नोएडा में मजदूरी करता था। सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम पहुंची। थाना प्रभारी निरीक्षक विशंभर दयाल ने बताया कि मृतक के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

'बिना सुनवाई कंपनी को टेंडर से बाहर नहीं कर सकते', दिल्ली हाई कोर्ट ने एनटीपीसी का निलंबन आदेश किया रद

नई दिल्ली। सरकारी कंपनियां किसी निजी कंपनी को बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए भविष्य की निविदाओं (टेंडर) से बाहर नहीं कर सकती है। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना किसी कंपनी पर निलंबन या प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। न्यायमूर्ति तेजस कारिया और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने सौर माड्यूल निमार्ता कंपनी ग्रू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) द्वारा लगाया गया छह माह का निलंबन आदेश रद कर दिया। हालांकि, अदालत ने यह भी माना कि कंपनी ने अनुबंध का पालन नहीं किया और आवश्यक कांट्रैक्ट परफार्मेंस गारंटी (सीपीजी) जमा नहीं की, इसलिए उसे डिफाल्टर मानने का एनटीपीसी का निर्णय सही था। मामला उत्तर प्रदेश में 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल की आपूर्ति संबंधी निविदा से जुड़ा था। दिसंबर 2025 में ग्रू एनर्जी को ठेका मिला था, लेकिन कंपनी ने न तो औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए और न ही निर्धारित प्रदर्शन गारंटी जमा की। कंपनी ने दलील दी कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे माल की कीमतें व परिवहन लागत बढ़ गई थीं। इसलिए उसे अनुबंध पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाना चाहिए था। हाई कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि कंपनी जिन परिस्थितियों का हवाला दे रही है, वे वास्तव में बाजार की प्रतिकूल स्थितियों से उत्पन्न व्यावसायिक कठिनाइयां थीं। हालांकि, अदालत ने एनटीपीसी द्वारा कंपनी को छह माह के लिए भविष्य की निविदाओं में भाग लेने से रोकने के फैसले पर आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि इस आदेश के गंभीर व्यावसायिक और नागरिक परिणाम होते हैं, क्योंकि इससे कंपनी न केवल भविष्य के टेंडरों से बाहर हो जाती है बल्कि लंबित निविदाओं में उसकी बोली भी प्रभावित हो सकती है। पीठ ने कहा कि निलंबन और प्रतिबंध का प्रभाव लगभग समान होता है, इसलिए ऐसी कार्रवाई से पहले संबंधित पक्ष को कारण बताओ नोटिस देना और अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान करना अनिवार्य है। चूंकि एनटीपीसी ने ऐसा नहीं किया, इसलिए निलंबन आदेश प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत पाया गया और उसे रद कर दिया गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि महज कीमतों में वृद्धि, व्यावसायिक नुकसान या आपूर्ति संबंधी कठिनाइयों के आधार पर कंपनियां अपने संविदात्मक दायित्वों से मुक्त नहीं हो सकतीं। साथ ही एनटीपीसी की पुन निविदा प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए अदालत ने क्षतिपूर्ति और अन्य संविदात्मक दावों के प्रश्न भविष्य की उचित कानूनी कार्यवाही के लिए खुले छोड़ दिए।

दिल्ली में पेंडिंग ट्रैफिक चालानों के लिए शुरू होंगे वीकेंड कोर्ट, जानें क्या है पूरा प्रोसेस?

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। 5 जुलाई से दिल्ली के सभी जिला न्यायालय परिसरों में वीकेंड कोर्ट शुरू किए जा रहे हैं, जहां कंपाउंडेबल ट्रैफिक चालानों का निपटारा किया जाएगा। ये कोर्ट हर रविवार और महीने के दूसरे शनिवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलेंगे। मुख्य बातें... केवल समझौता योग्य ट्रैफिक चालान ही इन कोर्ट में स्वीकार किए जाएंगे। प्रति वाहन अधिकतम 20 चालान तक निपटाए जा सकेंगे (निजी और व्यावसायिक वाहनों दोनों के लिए)। चालान डाउनलोड करने की वेबसाइट 25 जून से लाइव हो जाएगी। इन कोर्ट में मिलेगी सुविधा पटियाला हाउस कड़कड़डूमा तीस हजारी साकेत रोहिणी द्वारका दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे चालान ऑनलाइन डाउनलोड कर समय पर इन वीकेंड कोर्ट में पेश करके अपना मामला निपटा लें। यह व्यवस्था ट्रैफिक चालानों के निपटारे को तेज करने और लोगों को कामकाजी दिनों में कोर्ट आने की परेशानी से राहत देने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है।

आईआईआईटी दिल्ली के छात्रों ने कोडिंग ओलिंपिक के वर्ल्ड फाइनल्स में बनाई जगह, 111 देशों के 3000 कॉलेज ने लिया हिस्सा

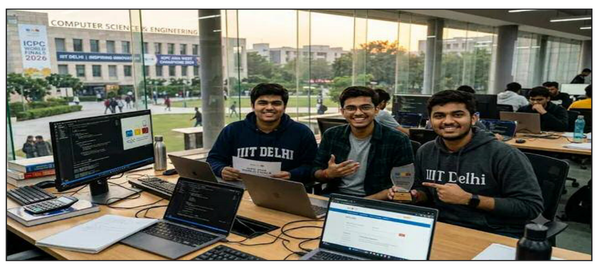

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईआईटी दिल्ली) के तीन छात्रों ने विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता इंटरनेशनल कॉलेजएट प्रोग्रामिंग कॉन्टेस्ट (आईसीपीसी) वर्ल्ड फाइनल्स 2026 के लिए क्वालीफाई कर संस्थान का नाम वैश्विक मंच पर रोशन किया है। वीक टेस्टकेस नामक टीम अब नवंबर 2026 में दुबई में आयोजित होने वाले विश्व फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। टीम में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के छात्र अभिषेक, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के छात्र जतिन अग्रवाल और पीयूष केशन शामिल हैं। आईआईआईटी दिल्ली के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि संस्थान चौथी बार आईसीपीसी वर्ल्ड फाइनल्स में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। आईसीपीसी को दुनिया भर में कोडिंग का ओलिंपिक कहा जाता है। इसमें 111 देशों के लगभग 3,000 कॉलेज की टीमें हिस्सा लेती हैं। प्रतिभागियों को सीमित समय में जटिल एल्गोरिदमिक समस्याओं का समाधान कर अपनी तार्किक क्षमता, प्रोग्रामिंग कौशल और टीमवर्क का प्रदर्शन करना होता है। कई कठिन चरण पार कर फाइनल्स में पहुंची टीम वर्ल्ड फाइनल्स तक पहुंचने के लिए टीम ने कई कठिन चरण पार किए। पहले ऑनलाइन प्रारंभिक दौर में हजारों टीमों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, फिर क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल की और अंततः एशिया वेस्ट कान्टिनेंटल चैंपियनशिप में शीर्ष टीमों को चुनौती देते हुए फाइनल्स का टिकट हासिल किया। आईआईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. देबज्योति बेरा ने इसे संस्थान की प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग संस्कृति का प्रमाण बताया।

करंट की चपेट में आने से संविदाकर्मी की दर्दनाक मौत

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के अगौता थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर रैना बिजली घर पर तैनात संविदाकर्मी की मंगलवार की शाम करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। औरंगाबाद थाना क्षेत्र के गांव प्रेमपुर निवासी किरनपाल सिंह पिछले कई वर्षों से अगोता थाना क्षेत्र के अकबरपुर रेना बिजली घर पर संविदाकर्मी के पद पर तैनात था। मंगलवार की देर शाम रैना बिजलीघर से शटडाउन लेकर गाँव बागवाला निवासी किसान मेहरबान के खेत पर हाईटेंशन लाईन का जम्फर जोडने के लिए गया हुआ था। बताया जाता है जैसे ही संविदा कर्मी हाई टेंशन लाइन का जम्फर जोड़ने के लिए खंबे पर चढ़ा तो उस दौरान ही तारों में करंट दौड़ गया और करंट की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया और खम्बे से जमीन पर आकर गिर पड़ा। हादसे की सूचना पर साथी लाइनमैन और परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। लेकिन जिला अस्पताल के चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर अगोता पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक संविदाकर्मी के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक के परिजनों ने उक्त बिजलीघर के एस एसओ दुष्यंत पर लाइन में करंट छोड़ने का आरोप लगाया है।

उधर जेई मनोज कुमार का कहना है कि मृतक के परिजनों को विभाग की तरफ से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। अगोता थाना प्रभारी संजेश कुमार का कहना है कि मृतक पक्ष की तरफ से थाने पर कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।तहरीर मिलने के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व जिला संघ चालक का हुआ निधन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघ चालक डॉक्टर लक्ष्मी नारायण गुप्ता का निधन हो गया। वह 82 साल के थे। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बुधवार की सुबह शिकारपुर के बड़ा बाजार निवासी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण गुप्ता के निधन की खबर पाकर क्षेत्र के अनेक लोग उनके आवास पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। उनकी शव यात्रा में भाजपा और संघ के नेताओं के साथ-साथ अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेता, शिक्षक और व्यापारी आदि शामिल रहे। उनका अंतिम संस्कार अनूपशहर रोड स्थित श्मशान घाट पर किया गया।

स्टांप विक्रेताओं ने समस्याओं को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टांप वेंडर एवं टाइपिस्ट संघर्ष समिति, सदर बुलंदशहर के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा जिला कार्यालय पहुंचकर जिलाध्यक्ष विकास चौहान को स्टांप बिक्री एवं ई-पंजीकरण निजीकरण) व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में प्रदेशभर में संबंधित वर्ग आंदोलनरत है। उनका कहना है कि इस व्यवस्था से हजारों लोगों के रोजगार पर संकट उत्पन्न हो सकता है तथा आम जनता को भी असुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस दौरान संघर्ष समिति अध्यक्ष ठाकुर लाखन सिंह, एडवोकेट विक्रम सिंह, मोहित कुमार, धीरज सिंह, मोहम्मद फुरकान, सुधीर कुमार गुप्ता एवं अफशान आफरीदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बुधवार को दूलदूल धोड़े का निकला जुलूस

औरंगाबाद /बुलंदशहर (सब का सपना):- औरंगाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम चरौरा मुस्तफाबाद में मोहर्रम के अवसर पर बुधवार को दुलदुल घोड़े का जुलूस निकाला गया इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मोहर्रम की 8 तारीख होने पर सबीहे दुल दुल घोड़े का विशाल जुलूस निकाला और हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में दहकते अंगारों पर चलकर जोरदार मातम किया। बाबूजान, विलायत अली, अमीर हसन, समसुल हसन, आदि ने पहला मरसिया पढ़ कर दुलदुल घोड़े के जुलूस की शुरूआत की जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोग शौक के प्रतीक काले रंग के कपड़े पहनकर नंगे पैर मातम करते हुए चल रहे थे इस दौरान श्रद्धालुओं ने दुलदुल घोडे को चने की दाल और जलेबी, बताशे, बालूशाही आदि भी खिलाई जुलूस बड़ी मस्जिद पर पहुंचकर मातम में तब्दील हो गया। इस दौरान सोगबारों ने जोरदार मातम किया अजादारों ने नम आंखों से हुसैन को याद किया। मौलाना मोहम्मद कासिम जाफरी ने कहा कि 1400 वर्ष पूर्व यजीद ने हक की पैरोकारी करने पर इमाम हुसैन समेत उनके परिवार के 72 लोगों को करबला के मैदान में शहीद कर दिया था। उन्हीं की याद में मोहर्रम मनाया जाता है। तथा उन्होने हजरत इमाम हुसैन की याद में कर्बला का वाकिया सुनाकर लोगों को गमगीन कर दिया व सगीर गांधी जन सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में निशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया जिसमें ग्रामीणों को निशुल्क दवाईयां वितरित की इस अवसर पर समीर एथलीट, इतरात अली, रिहान हैदर, शाने हैदर, मोहम्मद शाहमीर, अबू तालिब, असगर अब्बास, वसीम एथलीट, इस्लाम खां, साहिल अली, अमजद अली आदि मौजूद रहे।

धनौरा के चुचैला कलां में 150 साल पुरानी ताजिया परंपरा,1876 से निकल रहे जुलूस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कस्बा चुचैला कलां में मोहर्रम पर ताजियों के जुलूस की परंपरा लगभग 150 वर्ष पुरानी है। स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, यहां वर्ष 1876 से लगातार ताजिए निकाले जा रहे हैं। हालांकि इसके लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही मौखिक परंपराएं इस इतिहास की साक्षी हैं।एक समय चुचैला कलां के ताजिए पूरे मंडल में अपनी भव्यता और ऊंचाई के लिए प्रसिद्ध थे। बुजुर्गों के अनुसार, यहां बनने वाले ताजियों की ऊंचाई करीब 120 फीट तक पहुंचती थी। मोहर्रम के दौरान दूर-दराज क्षेत्रों से लोग इन विशाल ताजियों के दीदार के लिए कस्बे में आते थे। यह जुलूस धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आकर्षण का भी केंद्र था। बता दें कि स्थानीय इतिहास के अनुसार, वर्ष 1940 तक चौधरी बिरादरी भी ताजिए निकालती थी। कस्बे के 85 वर्षीय नसीर शेख ने बताया कि उस समय ह्यब्रेटीह्न नामक एक पारंपरिक प्रदर्शन होता था, जिसमें तेल में भीगे कपड़े को लाठी पर लपेटकर आग के साथ घुमाया जाता था। वर्ष 1940 में ऐसे ही एक प्रदर्शन के दौरान एक युवक की जलकर मौत हो गई थी। इस घटना के बाद चौधरी बिरादरी ने ताजिए निकालना बंद कर दिया। तब से अंसारी और सैफी बिरादरी इस परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं।ताजिया कमेटी का इतिहास भी समृद्ध रहा है। वर्ष 1946 में छिद्दा अंसारी इसके प्रथम अध्यक्ष बने। उनके बाद 1952 से 1958 तक पिरवा अंसारी (पुत्र खुदाबख्श), 1959 से 1962 तक हकीम अल्लादिया (पुत्र नियादर), 1962 से 1975 तक छिद्दा अंसारी (पुत्र नियादर), 1975 से 1982 तक मजीद अंसारी (पुत्र रमजान) और 1982 से 2007 तक बाबू अंसारी (पुत्र नूर मोहम्मद) अध्यक्ष रहे। वर्तमान में अरशद अंसारी ताजिया कमेटी की कमान संभाल रहे हैं।वर्ष 2023 में शासन के नए आदेश के बाद ताजियों की अधिकतम ऊंचाई 120 फीट से घटकर 12 फीट रह गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ताजिए केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि साझा संस्कृति, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की पहचान हैं, जिन्हें कस्बे के सभी समुदाय मिलकर जीवित रखे हुए हैं।

लापता हुई बालिका को एक घंटे के अंदर सकुशल किया गया बरामद

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव कैलावन निवासी सात वर्षीय बालिका के लापता होने के एक घंटे बाद सलेमपुर थाना पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया। थाना प्रभारी नितिन जावला ने बताया कि बुधवार को शिकारपुर के मोहल्ला मुफ्ती वाड़ा निवासी सुनीता जो फिलहाल सलेमपुर थाना क्षेत्र के गांव कैलावन में रह रही है ने डॉयल 112 पर सूचना दी कि उसकी 7 वर्षीय पुत्री घर से कही चली गई है तथा काफी खोजबीन करने के बाद भी मिल नही रही है। जिसके बाद पुलिस द्वारा तलाश कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिल्ली में उधार लिए 150 रुपये न देने पर किशोर की चाकू मारकर हत्या, 3 नाबालिग दबोचे

नई दिल्ली। तीन नाबालिगों ने तिलक नगर इलाके में एक 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। वजह यह थी कि युवक ने उनमें से एक से उधार लिए 150 रुपये लौटाने से इंकार कर दिया था। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर आरोपितों को पकड़ लिया है। पीड़ित पारस को 21 जून की रात हमले में कई चाकू के घाव लगे थे। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, नाबालिगों ने घटना वाली रात रुपये के विवाद को लेकर पारस को घेर लिया था। पुलिस ने बताया कि झड़प होने के बाद वह मौके से भाग गया लेकिन तीनों ने लगभग 12:15 बजे रात फिर से उसे ढूंढ निकाला और हमला कर दिया। हमले के दौरान एक नाबालिग ने बार-बार चाकू से पारस को गोदा। पुलिस को पीड़ित की बहन से पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें उसने बताया कि उसके भाई को चाकू मार दिया गया है और उसे दीप दयाल उपाध्याय अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल के पास खून के निशान पाए। पीड़ित की बहन ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाई को घर के पास घायल और बेहोश हालत में पड़ी हुई पाई थी और उसे हमलावरों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और जानकारी जुटानी शुरू कर दी। जांच के आधार पर तीन नाबालिगों को मंगलवार को चौखंडी इलाके के एक पार्क से दबोच लिया गया। पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि करीब 40-45 दिन पहले मृतक ने उनमें से एक से 150 रुपये उधार लिए थे और उसे लौटाने से मना कर दिया था। इसी के बाद से विवाद बढ़ता चला गया था।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम, 25 जून को तेज हवाओं के साथ ही बारिश का अलर्ट; आईएमडी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 25 जून के लिए राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली के साथ ही देश के 11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत पूरे एनसीआर क्षेत्र में मौसम अस्थिर बना रह सकता है। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ दिन पहले जारी किया था रेड अलर्ट पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर लगातार चरम मौसम की घटनाओं का सामना कर रहा है। हाल ही में राजधानी में धूल भरी आंधी और तेज बारिश के बाद आईएमडी को रेड अलर्ट जारी करना पड़ा था। कई इलाकों में तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ था। मंगलवार को पालम क्षेत्र में 91 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा दर्ज की गई थी। तेज आंधी और बारिश के बाद तापमान में करीब 15 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। फिलहाल लू चलने की संभावना नहीं आईएमडी का कहना है कि फिलहाल दिल्ली-एनसीआर में लू जैसी स्थिति बनने की संभावना नहीं है। हालांकि, गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के कारण लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने की हिदायत दी गई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत में सक्रिय मौसमी सिस्टम और आगे बढ़ते दक्षिण-पश्चिम मॉनसून का असर दिल्ली-एनसीआर के मौसम पर दिखाई दे रहा है। देश के कई हिस्सों में मॉनसून की रफ्तार बढ़ी है और इसका प्रभाव राजधानी के मौसम में भी महसूस किया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए अगले 24 घंटे राहत और सतर्कता दोनों लेकर आ सकते हैं। एक तरफ तापमान में कमी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर तेज हवाएं, बिजली चमकना और अचानक बारिश यातायात को प्रभावित कर सकती हैं।

दिल्ली में अपने घर का सपना होगा पूरा, 25% डिस्काउंट के साथ बुक करें डीडीए फ्लैट्स

नई दिल्ली। दिल्ली में घर खरीदने वालों के लिए बढ़ती महंगाई एक चुनौती है। दिल्ली-एनसीआर में प्रॉपर्टी की कीमतें लगातार बढ़ रही है। ऐसे में मध्यम आय वर्ग वाले लोगों का सपना पूरा होना मुश्किल लग रहा है। इसी को देखते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने विभिन्न आय वर्ग के लोगों के लिए कम कीमत में फ्लैट उपलब्ध कराने वाली दो आवास योजनाएं शुरू की हैं। ये योजनाएं उच्च आय वर्ग (एचआईजी), मध्यम आय वर्ग (एमआईजी), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं, जिससे उन्हें किफायती दरों पर घर खरीदने का मौका मिल रहा है। फ्लैटों का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे पात्र आवेदकों को दिल्ली में घर पाने का मौका मिल रहा है। डीडीए नागरिक आवास योजना 2026 यह योजना 23 जनवरी को नरेला और सिरासपुर में किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी, जिसमें फ्लैटों पर 25% की छूट दी जा रही है। इसके तहत नरेला में कुल 3,245 फ्लैट उपलब्ध हैं, जिनमें से 1,944 मार्च में शामिल किए गए थे। सिरसपुर में 411 एलआईजी फ्लैट उपलब्ध हैं। इसके लिए रजिस्ट्रेशन डीडीए के आवास पोर्टल पर किया जा सकता है। फ्लैटों की बुकिंग राशि इस प्रकार है: एचआईजी फ्लैट: 10,00,000 रुपये, एमआईजी फ्लैट: 4,00,000 रुपये, एलआईजी फ्लैट: 1,00,000 रुपये, ईडब्ल्यूएस फ्लैट: 50,000 रुपये। इस योजना के तहत फ्लैटों की बुकिंग अवधि 30 जून तक बढ़ा दी गई है। आवेदकों को आवास पोर्टल पर 2500 रुपये का एकमुश्त रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होगा। डीडीए टावरिंग हाइट्स कड़कड़डूमा आवास योजना 2026 इसके तहत पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में 741 दो-बीके फ्लैट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत, पात्र सरकारी संस्थानों को थोक खरीद श्रेणी में 500 फ्लैट भी दिए जा रहे हैं, जिनमें 393 बाद में जोड़े गए फ्लैट शामिल हैं। 4 लाख रुपये की बुकिंग राशि के साथ बिक्री लागत का 75% पहले जमा करना होगा और शेष 25% राशि पजेशन लेते समय करना होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ा दी गई है।

जानकारी

जौ का पानी पीने के ये पांच फायदे

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है।

जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, डायट्री फाइबर्स और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। आप चाहे तो इसे अपने रोज के आहार में शामिल कर सकते हैं या फिर एक औषधि के रूप में भी ले सकते हैं।

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही ये शरीर को स्वस्थ रखने में भी बहुत कारगर होता है। कई लोग जौ को भाप द्वारा पकाकर भी इस्तेमाल करते हैं, परंतु जौ का पानी स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

जौ का पानी तैयार करने के लिए कुछ मात्रा में जौ ले लीजिए और उसे अच्छी तरह साफ कर लीजिए। उसके बाद इसे करीब चार घंटे तक पानी में भिंगोकर छोड़ दीजिए। उसके बाद इस पानी को तीन से चार कप पानी में मिलाकर उबाल लीजिए। पर इसे धीमी आंच पर ही उबलने दें।

लगभग 45 मिनट बाद गैस बंद कर दीजिए और इस पानी को ठंडा होने दीजिए। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक बोतल में भर लीजिए और दिनभर एक से दो गिलास पीते रहें।

जौ के पानी पीने के फायदे

- अगर आपको यूरीन से जुड़ी कोई समस्या है तो जौ का पानी आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसके अलावा किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं में भी जौ का पानी बहुत कारगर होता है।
- अगर आप वजन घटाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और लाख कोशिश के बावजूद आपका वजन कम नहीं हो पा रहा है तो जौ का पानी आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है।
- ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए भी जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने की वजह से दिल से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।
- मधुमेह के रोगियों के लिए जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है।
- जौ का पानी पीने से शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे चेहरे पर भी निखार आता है। इसके साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे और नुकसान

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फेरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती हैं। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

सेहत

ओवर एक्टिव थायरॉइड में क्या खाएं क्या न खाए?

हाइपरथाइरॉयडिज्म वह स्थिति होती है, जिसमे थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है। इसके कारण हार्मोन का स्राव अधिक होता है। इसका असर मेटाबॉलिज्म के स्तर पर पड़ता है। इसमें थायरॉक्सिन हार्मोन ज्यादा बनने के कारण वजन कम होने लगता है। इतना ही नहीं शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, अनिद्रा, उत्तेजना, घबराहट और चिड़चिड़ापन जैसे समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हाइपरथाइरॉयडिज्म में डायबिटीज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरथाइरॉयडिज्म (ओवरएक्टिव थायरॉइड ग्लैंड) को सामान्य बनाने में खान-पान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आइए हम आपको बताते हैं कि हाइपरथाइरॉयडिज्म में आपको कैसा आहार लेना चाहिए।

हाइपरथाइरॉयडिज्म में क्या खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म में ऐसे खाद्य पदार्थ जो आसानी से पच जाते हों उनको खा सकते हैं। ऐसा भोजन जो खाने के बाद तीन घंटे में पच जाता है, उसको खाइए, इन खाद्य-पदार्थों से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। ठंडे पानी की मछली और मछली का तेल (जिसमें ईपीए और डीएचए की मात्रा 1 से 2 ग्राम मौजूद होती है, जो थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होते हैं) थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होती है।

साबुत अनाज

हाइपरथाइरॉयडिज्म की समस्या तभी होती है, जब शरीर में आवश्यक और पोषक तत्वों की कमी होती है। कभी-कभी आप ऐसे फूड्स का सेवन करते हैं, जिनकी पोषण क्षमता समाप्त हो चुकी होती है, ऐसे में आपके लिए साबुत अनाज फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज जैसे- ब्राउन राइस, गेहूं, चना आदि। दरअसल, साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और आयरन होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। चूंकि थायरॉइड हार्मोन जब ज्यादा बनता है तो उसका असर हड्डियों पर ज्यादा होता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म क्या न खाएं?

कम आयोडीन युक्त आहार लें

जब शरीर में आयोडीन की मात्रा ज्यादा होती है, तब थायरॉइड ग्लैंड ओवरएक्टिव होता है और हाइपरथाइरॉयडिज्म की स्थिति पैदा होती है। हालांकि आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत खाद्य पदार्थ होता है। इसलिए हाइपरथाइरॉयडिज्म में ज्यादा आयोडीन वाले आहार के सेवन से बचना चाहिए। समुद्री भोजन जैसे- समुद्री मछली, समुद्र के आसपास उगे पौधों को खाने से बचें, क्योंकि इनमें आयोडीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए खाते वक्त यह सुनिश्चित कर लीजिए कि जो आप खा रहे हैं, उसमें आयोडीन की मात्रा ज्यादा तो नहीं।

इन खाद्य पदार्थों से बचें

हाइपरथाइरॉयडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है, हार्मोन का निर्माण ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचिए। गोभी, फूलगोभी, स्प्राउट, सरसों का साग, आड़ू, सोयाबीन, पालक और शलजम थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को रोकते हैं। इसलिए इनको बिल्कुल मत खाइए। इसके अलावा रिफाइंड शूगर, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, जैसे पेय जिनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा हो, उनको भी खाने से परहेज करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3924

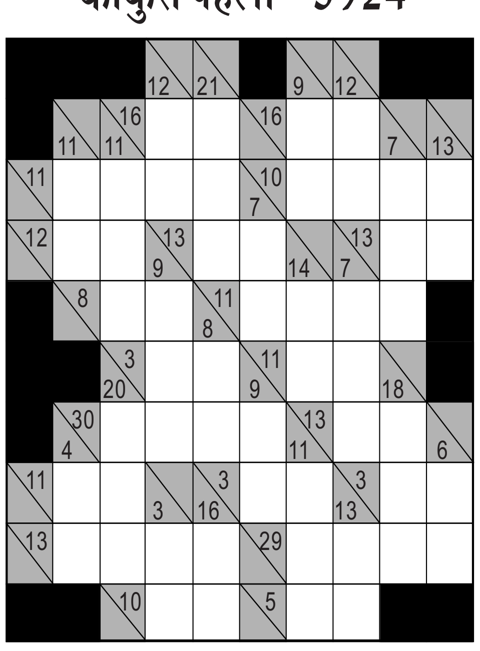

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

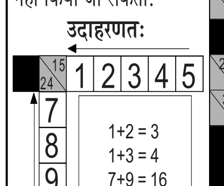

काकुरो - 3923 का हल

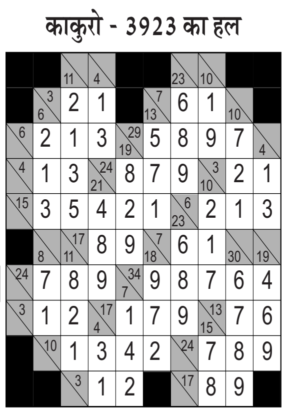

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालो और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

□ □ □

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

□ □ □

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

□ □ □

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3924

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3923

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	औ	र	दि	न		रे		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -3924

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -3923 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3924

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3923 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्क	र		र्म	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	घा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	म्बो	द	र

ज़िंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, ''नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।'' ईशा ने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।''

ईशा ने अपने वीडियो में कहा, ''कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, ''अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।''

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं

अपकमिंग फिल्म 'अर्जुनैन अल्लिरानी' में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को 'खाली पन्ने' की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

अगले साल आएगी टाइगर श्रॉफ-जान्हवी और लक्ष्य की फिल्म 'लग जा गले'

टाइगर श्रॉफ, जान्हवी कपूर और लक्ष्य बड़े परदे पर साथ आने वाले हैं। बात हो रही है एक्शन फिल्म 'लग जा गले' की। राज मेहता के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया गया है।

अगले साल रिलीज होगी 'लग जा गले'

फिल्म 'लग जा गले' को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म अगले साल मई में रिलीज होने वाली है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जिक्र है। फिल्म की रिलीज डेट अगले साल गर्मियों के लिए लॉक की गई है। 14 मई 2027 को यह फिल्म दस्तक देगी।

दर्शकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

फिल्म में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य दोनों हों, तो जाहिर है एक्शन भी दमदार होगा। इस फिल्म में इंटेंस एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और जान्हवी कपूर के लिए आखिरी उम्मीद समझ लीजिए'। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'इन दोनों के बीच लक्ष्य कहां से फंस गया'। वहीं, कुछ दर्शक फिल्म को लेकर उत्साह जता रहे हैं।

'पेद्दी' में नजर आ रहीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेद्दी' में नजर आ रही हैं। हालांकि, फिल्म में उन्हें अपनी भूमिका के लिए काफी ट्रोल किया गया है। वहीं, लक्ष्य को बीते दिनों 'चांद मेरा दिल' में देखा गया था। इसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आई थीं। बीते महीने यानी मई में रिलीज हुई यह फिल्म भी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी। हालांकि, खास असर नहीं कर पाई।

एक्टिंग से अलविदा कहने की अपारशक्ति खुराना ने की बात

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में अपने करियर के उस दौर के बारे में खुलकर बात की, जब वह मुंबई आने के बाद स्टाइलिस्ट के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि वे कुछ समय बाद एक्टिंग छोड़ देंगे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि वह अगले 10-12 वर्षों में एक्टिंग से दूर होकर एक नया जुनून अपनाना चाहते हैं और शुरुआत से सिलाई सीखना चाहते हैं। जब अंगद ने अपारशक्ति की फैशन सेंस की तारीफ की, तो अभिनेता ने याद करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं सोच रहा था कि बॉम्बे शिफ्ट होने का कोई एक तरीका क्या हो सकता है। तो एक फेज ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था। मैंने कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया था, जो एक बहुत फेमस टीवी चैनल पर बॉलीवुड शो होस्ट कर रहे थे। मैं सच में चाहता हूं कि धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं, उसे अलविदा कह दूं। मेरा बहुत मन है कि 10-12 साल बाद मैं टेलरिंग सीखूं। कपड़ा कैसे काटना है, कैसे सिलना है, वो सीखना है।'

नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी। रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुई इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं।' बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं। उन्होंने 'परी हूं मैं', 'झलक दिखला जा 5', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6', 'जरा नचके दिखा 2' और 'नच बलिए 7' जैसे शो में भी नजर आईं और सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में एक खास रोल भी किया। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है।

इससे पहले मई में, 'मिसेज मारा ऑनलाइन चे' के साथ थिएटर की दुनिया में नाम कमाने वाली रश्मि ने कहा था कि थिएटर कलाकारों को समय पर उनका हक नहीं मिलता और उन्हें 'किसी और की मंजूरी' की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा था कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है।

आईएएनएस से बातचीत में रश्मि ने बताया था कि एक थिएटर एक्टर बहुत मेहनत करता है। उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिलता, उन्हें जो मजा आता है, उसका एक छोटा सा परिवार होता है, और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं होती जो उन्हें बताए कि 'ठीक है, यह करो, वह करो।' उन्होंने आगे कहा, 'और अगर वे कोई गलती करते हैं या किसी तरह की नाकामी का सामना करते हैं, तो दूसरे लोग उनका हाथ थामने और यह कहने के लिए तैयार रहते हैं कि 'ठीक है, यह भी गुजर जाएगा।' तो हां, हमेशा एक नई शुरुआत होती है, और थिएटर इसे सीखने का सबसे अच्छा जरिया है। लेकिन वे ज्यादा सम्मान के हकदार हैं, और लोगों को थिएटर और थिएटर कलाकारों के बारे में और जानना चाहिए।'

अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं अन्नू कपूर

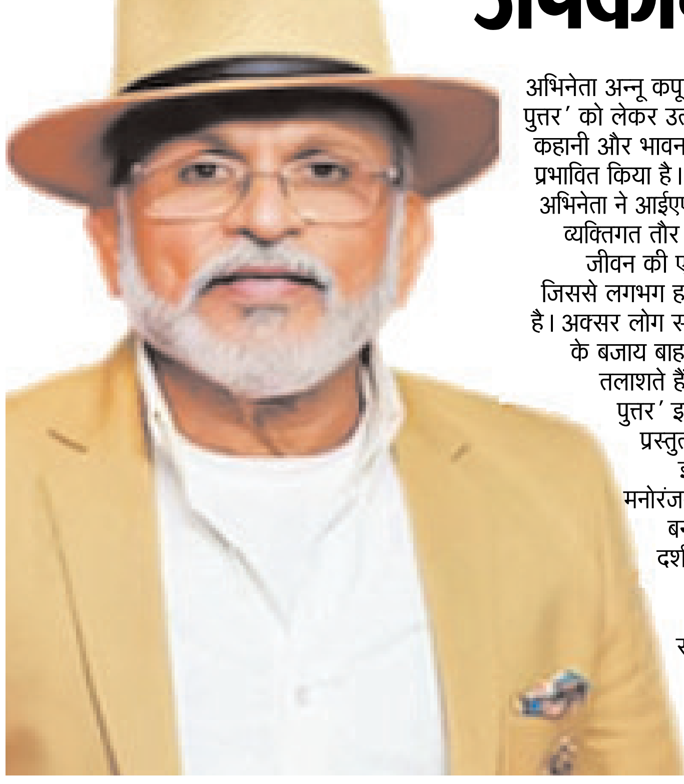

अभिनेता अन्नू कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि इसकी कहानी और भावनात्मक गहराई ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित किया है। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। अभिनेता ने आईएएनएस को बताया कि यह कहानी उन्हें व्यक्तिगत तौर पर इसलिए पसंद आई, क्योंकि यह जीवन की एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिससे लगभग हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस कर सकता है। अक्सर लोग सवालों के जवाब अपने भीतर खोजने के बजाय बाहरी परिस्थितियों, संकेतों या लोगों में तलाशते हैं। अन्नू कपूर के अनुसार, 'उत्तर दा पुत्तर' इसी विचार को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है। फिल्म में कॉमेडी के साथ इमोशंस का बेहतर संतुलन है, जो इसे मनोरंजक होने के साथ-साथ संवेदनशील भी बनाता है। यह एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करती है।

अभिनेता ने बताया कि फिल्म का सबसे खास पहलू यह है कि यह एक गंभीर विषय को बेहद दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश करती है। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट उन्हें बाकी फिल्मों से अलग और खास लगा। अन्नू कपूर ने यह भी कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए एक सुखद अनुभव रहा और उन्होंने इसकी शूटिंग तथा कहानी दोनों का आनंद लिया। शुक्रवार को फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर जारी करते हुए लिखा, 'क्या होगा अगर गलत दिशा का चुनाव आपकी पूरी जिंदगी बदल दे? एक ऐसी हिंदी कॉमेडी फिल्म, जो एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं देखा होगा। अब समय ऐसी फिल्मों का है, जहां कंटेंट ही सबसे बड़ा सितारा है। टीजर आ चुका है और सही दिशा की तलाश 24 जुलाई से सिनेमाघरों में शुरू होगी। ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा।' टीजर में फिल्म की अनोखी कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म इस विचार पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की किस्मत केवल सही दिशा चुनने से भी बदल सकती है। कहानी इसी दिलचस्प और अलग कॉन्सेप्ट के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, ''उत्तर दा पुत्तर' एक ऐसी कहानी है, जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकता है। हममें से कई लोग जीवन में कभी न कभी अपने भीतर जवाब तलाशने के बजाय बाहर खोजते हैं, कभी दिशाओं में तो कभी संकेतों में। यह फिल्म इसी विचार को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है, जिसमें कॉमेडी और इमोशंस का बेहतरीन मेल है।' फिल्म में अन्नू कपूर के साथ रखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रविंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण संदीप कपूर और प्रिया कपूर ने प्रमोदम मोशन पिकचर्स के बैनर तले किया है।

म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं फरहान

फरहान अख्तर अब अपने नए प्रोजेक्ट पर ध्यान लगा रहे हैं। वह नई फिल्म में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। खबर है कि फरहान अख्तर को नीरज पांडे के निर्देशन में बनने वाली बायोपिक में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स इस फिल्म में फरहान को लीड रोल में कास्ट करने के इच्छुक हैं। खबर यह भी है कि नीरज कुछ समय से इस बायोपिक पर काम कर रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है। दावा है कि फरहान आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। वह उनकी जिंदगी को पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।